सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता
माँ दुर्गा ज्वेलर्स
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

श्री CONSULTANCY
Confused after NEET Get Help
Fulfill your Dream of Becoming Doctor
Call us for Admission Guidance for 23-24 MD/MS/MBBS & MDS/BDS
- TOP MEDICAL Colleges of INDIA
- Management Quota Seat
- NRI Quota Seat

Get Enrolled (Call/whatsapp)
89599-94444

Laxmi Jewellers, Opp.Tanishq Showroom, Durg (C.G.)

वर्ष- 14 अंक - 297 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 9 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

राहुल गांधी ने 'विश्व आदिवासी दिवस' की दी शुभकामनाएं

रायपुर। सांसद राहुल गांधी ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासियों के लिए सक्रिय रूप से काम करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार को बधाई दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि विश्व आदिवासी दिवस पर मैं हमारे आदिवासी समुदायों का सम्मान करना चाहूंगा, जो हमारी भूमि और परंपरागत ज्ञान के सच्चे संरक्षक हैं। हमारे आदिवासी समुदाय, आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी विरासत को सुरक्षित रखने में हमेशा सबसे आगे रहे हैं। एक समाज के रूप में, हम अपने आदिवासी भाईयों और बहनों से, अपने मूल्यों की अंत तक रक्षा करने की शक्ति के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं। मैं छत्तीसगढ़ सरकार को 'विश्व आदिवासी दिवस' की शुभकामनाएं देता हूं। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई की सरगुजा इस वर्ष उत्सव की मेजबानी कर रहा है। सरगुजा का छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक विशिष्ट गौरवपूर्ण स्थान है। विभिन्न नृत्य और संगीत परंपराओं से सराबोर छत्तीसगढ़ की विशिष्ट आदिवासी संस्कृति हमें अपनी सांस्कृतिक विविधता पर गर्व करने के लिए प्रेरित करती है। मैं इस संस्कृति को दर्शकों के बड़े समूह तक पहुँचाने के छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों की सराहना करना चाहूँगा। मैं आदिवासियों के लिए सक्रिय रूप से काम करने के लिए भी छत्तीसगढ़ सरकार को बधाई देना चाहता हूं। वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में अग्रणी रहने से लेकर गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करने तक, छत्तीसगढ़ की प्रगतिशील नीतियां हमारे आदिवासी समुदायों के लिए सम्मानपूर्वक जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। अंत में, मैं अपने आदिवासी भाईयों और बहनों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जन कल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

सीएम भूपेश के खिलाफ विजय बघेल को विधानसभा चुनाव लड़वा सकती है पार्टी, भाजपा से मिले संकेत

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। भाजपा के लिए प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सिरदर्द बन चुके छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को घेरने के लिए पार्टी नया व्यूह रचने जा रही है। इसके लिए आंतरिक तौर पर तैयारियां शुरू हो चुकी है। प्रत्याशी को भी तैयार रहने को कह दिया गया है। यदि सब कुछ ऐसा ही रहा तो इस बार पाटन में दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। आमतौर पर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ विरोधी दल अपेक्षाकृत कमजोर प्रत्याशी उतारते हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस बार हालात जुदा हो सकते हैं। 2018 में भाजपा ने भूपेश बघेल के खिलाफ जातीय व सामाजिक समीकरणों के तहत मोतीलाल साहू को प्रत्याशी बनाया था।

पाटन क्षेत्र को कांग्रेस का गढ़ कहा जा सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यहां अब तक कुल 4 विधानसभा चुनाव हुए हैं, जिनमें से 3 बार कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में भूपेश बघेल ने जीत हासिल की। एक बार उन्हें पराजय का भी सामना करना पड़ा। पृथक राज्य बनने के बाद 2003 में पहली बार चुनाव हुए थे। पाटन से भूपेश बघेल प्रत्याशी थे। जीत भूपेश की ही हुई। लेकिन 2008 में वे अपनी इस जीत को बरकरार नहीं रख पाए। तब उनके भतीजे विजय बघेल ने बतौर भाजपा प्रत्याशी उन्हें करीब 8000 वोटों से हराकर सनसनी फैला दी थी। इसी के बाद विजय बघेल को मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने संसदीय सचिव का दायित्व सौंपा था। लेकिन 2013 और 2018 के चुनाव में फिर से भूपेश बघेल ने कांग्रेस का परचम लहराया। अब खबर यह आ रही है कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व पाटन से विजय बघेल को फिर से मैदान में उतार सकता है। विजय बघेल दुर्ग संसदीय सीट से सांसद हैं। हाल ही में भाजपा ने विजय बघेल को चुनाव घोषणा-पत्र समिति का संयोजक बनाकर उनका कद बढ़ाया है। कुछ महीनों पहले तक उन्हें प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष बनाए जाने की भी चर्चा थी, हालांकि जातीय समीकरणों को देखते हुए यह पद बाद में बिलासपुर के सांसद अरूण साव को दिया गया। छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के साथ ही कुर्मी व साहू वोटर्स की बाहुल्यता है।

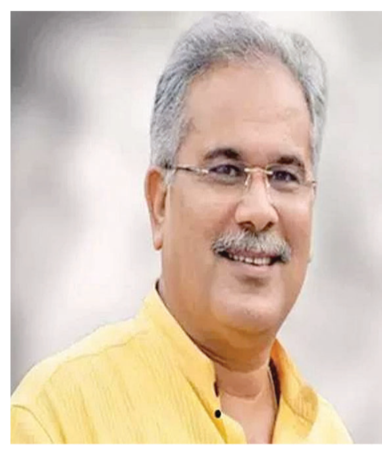

दो बार आए आमने-सामने

सीएम भूपेश व सांसद विजय बघेल रिश्ते में चाचा-भतीजे हैं। लेकिन दोनों की राजनीतिक परिस्थितियां अलग-अलग हैं। भिलाई-चरोदा नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव विजय बघेल ने निर्दलीय जीता था। बाद में वे भाजपा में शामिल हो गए। 2008 में पार्टी ने उन्हें भूपेश बघेल के खिलाफ विधानसभा का टिकट दिया। इस चुनाव में विजय बघेल ने करीब 8000 मतों से जीत हासिल कर पार्टी नेतृत्व का दिल जीत लिया था। इस जीत के ईनामस्वरूप उन्हें संसदीय सचिव का पद दिया गया। हालांकि 2013 के चुनाव में जब दोनों प्रत्याशी फिर आमने-सामने हुए तो भूपेश बघेल ने जीत हासिल की। राजनीति के मैदान में चाचा-भतीजे को एक दूसरे का कट्टर प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। पिछले संसदीय चुनाव में विजय बघेल को पाटन क्षेत्र से लीड मिली थी। उल्लेखनीय है कि दुर्ग जिले की पाटन सीट छत्तीसगढ़ की चुनिंदा हाई प्रोफाइल सीटों में है। एक बार फिर इस सीट से भूपेश बघेल का चुनाव लड़ना तय बताया जा रहा है।

कांग्रेस के सबसे मुखर सीएम हैं भूपेश

कांग्रेस आलाकमान का विश्वास हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल केन्द्र सरकार और खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ काफी आक्रामक रहे हैं। कांग्रेस शासित अन्य मुख्यमंत्रियों की अपेक्षा भूपेश ज्यादा बेहतर तरीके से भाजपा और केन्द्र सरकार को घेरते रहे हैं। यही वजह है कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व को भूपेश बघेल फूटी आंख नहीं सुहा रहे। पार्टी को इस बात का भी अंदेशा है कि यदि भूपेश बघेल को घेरा नहीं गया तो वे छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से सरकार बनाने में कामयाब हो सकते हैं। इसलिए उन्हें सबसे पहले उनके अपने क्षेत्र में घेरने की रणनीति बनाई गई है। इधर, यह भी चर्चा चल रही है कि भूपेश बघेल पाटन के अलावा एक अन्य क्षेत्र खैरागढ़ से भी चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि पार्टी के सूत्र इसे वास्तविकता से परे बता रहे हैं।

हाईकमान का संकेत स्पष्ट

पार्टी के जानकारों के मुताबिक, अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि विजय बघेल को पाटन क्षेत्र से ही चुनाव लड़ाया जाएगा। लेकिन यह सौ फीसद सच है कि हाईकमान ने उन्हें तैयार रहने को कह दिया है। दरअसल, राजनीतिक परिस्थितियां ऐसी बन रही है कि विजय बघेल किसी और क्षेत्र में फिट होते नहीं दिखते। वैसे भी, उनका कर्मक्षेत्र पाटन ही रहा है। हालांकि 2008 में जब विजय बघेल ने भूपेश बघेल के खिलाफ जीत दर्ज की थी, तब की परिस्थितियों और वर्तमान परिस्थितियों में जमीन-आसमान का फर्क है। वर्तमान में भूपेश बघेल सिर्फ विधायक नहीं बल्कि प्रदेश के मुखिया भी है। उनके सामने चुनाव लड़ना विजय बघेल के लिए बड़ी चुनौती हो सकती है, लेकिन पार्टी सूत्रों का मानना है कि यदि विजय बघेल को लड़ाया जाता है और वे नतीजा हासिल करने में भी कामयाब होते हैं तो उन्हें पार्टी बड़ा पुरस्कार दे सकती है। हाल ही में एक न्यूज़ चैनल ने इस संदर्भ में विजय बघेल से बात भी की थी। सवाल यह पूछा गया था कि क्या वे पाटन से चुनाव लड़ेंगे? इस पर बघेल का कहना था कि यदि पार्टी ऐसा फैसला करती है तो वे फैसले पर अमल करने को तैयार हैं।

विश्व आदिवासी दिवस: सीएम बघेल ने दी 637 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

2300 कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में विश्व आदिवासी दिवस पर जिलेवासियों को 637 करोड़ रुपए से अधिक के लागत के 2300 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 486 करोड़ 70 लाख 76 हजार रुपये लागत के 1838 कार्यों का भूमिपूजन तथा 150 करोड़ 32 लाख रुपए लागत के 462 कार्यों का लोकार्पण शामिल हैं। इन कार्यों में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 32 करोड़ 89 लाख रुपये लागत के 198 कार्यों, नगर निगम जगदलपुर के 10 करोड़ 27 लाख 68 हजार रूपए लागत के 113 कार्यों, लोक निर्माण संभाग जगदलपुर-1 के 12 करोड़ 48 लाख 27 हजार रूपए लागत के 18 कार्यों, लोक निर्माण संभाग जगदलपुर -2 के 30 करोड़ 80 लाख 90 हजार रूपए लागत के 14 कार्यों, जनपद पंचायत बकावण्ड के 1 करोड़ 79 लाख 50 हजार रूपए लागत के 49 कार्यों, जनपद पंचायत लोहण्डीगुड़ा के 1 करोड़ 99 लाख 76 हजार रूपए लागत के 34 कार्यों, जनपद पंचायत दरभा के 61 लाख 95 हजार रूपए लागत के 14 कार्यों, जनपद पंचायत जगदलपुर के 61 लाख 96 हजार रूपए लागत के 14 कार्यों, जनपद पंचायत तोकापाल के 1 करोड़ 3 लाख 80 हजार रूपए लागत के 17 कार्यों, जनपद पंचायत बास्तानार के 1 करोड़ 18 लाख 27 हजार रूपए लागत के 20 कार्यों, जनपद पंचायत बस्तर के 2 करोड़ 47 लाख 36 हजार रूपए लागत के 56 कार्यों, जल जीवन मिशन के 220 करोड़ 78 लाख 84 हजार रूपए लागत के 150 कार्यों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के 1 करोड़ 94 लाख 10 हजार रूपए लागत के 120 कार्यों, जिला मिशन समन्वयक-समग्र शिक्षा के 5 करोड़ 23 लाख लागत के 291 कार्यों, उप संचालक उद्यानिकी के 5 करोड़ 66 लाख 72 हजार रूपए लागत के 10 कार्यों, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी के 1 करोड़ 47 लाख 89 हजार रूपए लागत के 1 कार्य, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत 25 करोड़ 22 लाख रूपए लागत के 14 कार्यो, लोक निर्माण विद्युत एवं यांत्रिकी के 1 करोड़ 3 लाख रूपए लागत के 1 कार्य, आदिवासी विकास विभाग के 10 करोड़ 23 लाख 51 हजार रूपए लागत के 4 कार्यों, जल संसाधन विभाग के 14 करोड़ 84 लाख 61 हजार रूपए लागत के 6 कार्यों, नीति आयोग मद से 12 करोड़ 22 लाख 82 हजार रूपए लागत के 10 कार्यों, शिक्षा विभाग के 37 करोड़ 46 लाख 33 हजार रूपए लागत के 490 कार्यों, क्रेडा विभाग के 29 करोड़ 83 लाख रूपए लागत के 190 कार्यों और मुख्यमंत्री की घोषणाओं के तहत 24 करोड़ 56 लाख 29 हजार रूपए लागत के 4 कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने यहां लोक निर्माण संभाग जगदलपुर-1 के 64 करोड़ 71 लाख 11 हजार रूपए लागत के 20 कार्यों, सीजीएमएसई के 1 करोड़ 67 लाख 60 हजार रूपए लागत के 8 कार्यों, लोक निर्माण संभाग जगदलपुर-2 के 9 करोड़ 44 लाख रूपए लागत के 4 कार्यों, जनपद पंचायत बकावण्ड के 5 करोड़ 6 लाख 84 हजार रूपए लागत के 122 कार्यों, जनपद पंचायत लोहण्डीगुड़ा के 2 करोड़ 20 लाख 96 हजार रूपए लागत के 29 कार्यों, जनपद पंचायत जगदलपुर के 5 करोड़ 56 लाख 34 हजार रूपए लागत के 86 कार्यों, जनपद पंचायत तोकापाल के 2 करोड़ 6 लाख 50 हजार रूपए लागत के 45 कार्यों, जनपद पंचायत बास्तानार के 20 लाख रूपए लागत के 4 कार्यों, जनपद पंचायत बस्तर के 39 लाख 50 हजार रूपए लागत के 10 कार्यों, जल जीवन मिशन के 4 करोड़ 19 लाख 55 हजार रूपए लागत के 11 कार्यों, जिला मिशन समन्वयक-समग्र शिक्षा के 18 करोड़ 50 लाख रूपए लागत के 100 कार्यों, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत 69 लाख रूपए लागत के 1 कार्य, जल संसाधन विभाग के 11 करोड़ 44 लाख 68 हजार रूपए लागत के 4 कार्यों, मनरेगा अन्तर्गत के 5 करोड़ 77 लाख रूपए लागत के 12 कार्यों और मुख्यमंत्री घोषणाओं के तहत 18 करोड़ 39 लाख 52 हजार रूपए लागत के 6 विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया।

यात्रीगण ध्यान दें: 10 से 22 अगस्त तक रद्द रहेंगी कई गाड़ियां, कई ट्रेनों का बदला समय

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। हावड़ा-मुंबई मेन लाइन पर स्थित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत बिलासपुर-चांपा सेक्शन में चौथी लाइन का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के दौरान सक्ती स्टेशन के रिमॉडलिंग एवं सक्ती स्टेशन को नई लाइन चौथी लाइन से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के लिए सक्ती में नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाएगा। यह कार्य दिनांक 10 अगस्त, 2023 से 22 अगस्त, 2023 तक किया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ गाड़ियों को रद्द किया जा रहा है।

देरी से चलने वाली गाडियां...

- दिनांक 12 अगस्त, 2023 को पूरी से चलने वाली 18477 पूरी-योगनगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस पुरी से 04 घंटे देरी से रवाना होगी
- दिनांक 12 अगस्त, 2023 को राजेंद्रनगर से चलने वाली 13288 राजेंद्रनगर-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस राजेंद्रनगर से 04 घंटे 30 मिनट देरी से रवाना होगी

ये ट्रेनें हुई रद्द

- दिनांक 10 से 22 अगस्त, 2023 तक बिलासपुर से चलने वाली 08738 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी
- दिनांक 10 से 22 अगस्त, 2023 तक रायगढ़ से चलने वाली 08737 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी
- दिनांक 09 से 22 अगस्त, 2023 तक बिलासपुर से चलने वाली 08736 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी
- दिनांक 10 से 23 अगस्त, 2023 तक रायगढ़ से चलने वाली 08735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी
- दिनांक 09 से 21 अगस्त, 2023 तक टाटानगर से चलने वाली 18113 टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 10 से 22 अगस्त,2023 तक बिलासपुर से चलने वाली 18114 बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 09 से 21 अगस्त,2023 तक टाटानगर से चलने वाली 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 09 से 21 अगस्त,2023 तक इतवारी से चलने वाली 18110 इतवारी-टाटानगर-एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 09 अगस्त,2023 को संतरागाछी से चलने वाली 20828 संतरागाछी-जबलपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 10 अगस्त,2023 को जबलपुर से चलने वाली 20827 जबलपुर-संतरागाछी एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 10 अगस्त,2023 को हैदराबाद से चलने वाली 17005 हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 13 अगस्त,2023 को रक्सौल से चलने वाली 17006 रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 12 अगस्त,2023 को संतरागाछी से चलने वाली 20822 संतरागाछी-पुणे एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 14 अगस्त,2023 को पुणे से चलने वाली 20821 पुणे-संतरागाछी एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 11 अगस्त,2023 को बिलासपुर से चलने वाली 22843 बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 13 अगस्त,2023 को पटना से चलने वाली 22844 पटना-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 14 अगस्त,2023 तक भुवनेश्वर से चलने वाली 12880 भुवनेश्वर-कुर्ला एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 16 अगस्त,2023 को कुर्ला से चलने वाली 12879 कुर्ला भुवनेश्वर- एक्सप्रेस रद्द रहेगी
- दिनांक 10 से 22 अगस्त, 2023 तक गोंदिया एवं झारसुगुड़ा से चलने वाली 08861/08862 गोंदिया- झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर स्पेशल बिलासपुर एवं झारसुगुड़ा के मध्य रद्द रहेगी।

रविवि के 1700 विद्यार्थियों को मिला शून्य

श्रीकंचनपथ

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में 1700 विद्यार्थियों को किसी न किसी विषय में शून्य मिला है. शून्य प्राप्त करने वालों में बीए, बीकॉम, बीएससी, बीसीए, एमए - इंग्लिश, हिन्दी, राजनीति शास्त्र, संस्कृत, समाज शास्त्र, इतिहास, एमकॉम, आदि सभी विषयों के विषयों के विद्यार्थी शामिल हैं। ऑडिट के पर्चे में विद्यार्थी ने लिखा - लिखने की इच्छा नहीं है, ब्रेकअप हो गया है, और फिर ब्रेकअप की पूरी कहानी लिख दी। बीकॉम के एक छात्र ने स्थानीय राजनीति पर लिखा कि उसका पार्षद के घर आना जाना है। बीकाम के ही एक अन्य छात्र ने लिखा कि अगर पास कर दिया गया तो मूल्यांकनकर्ता का कल्याण होगा, नहीं किया तो परिणाम भुगतने होंगे। राजनीति शास्त्र के एक विद्यार्थी ने एक गीत लिखा - वो खिड़की जो बंद रहती है।।। स्नातक के एक अन्य परीक्षार्थी ने लिखा - महात्मा गांधी का जन्म 1857 में हुआ था। बॉटनी के पेपर में चाय पर एक सवाल का जवाब आया - चाय तीन तरह की होती है- ग्रीन टी, ब्लैक टी और दूध वाली चाय। इन्हीं विद्यार्थियों ने कोरोना काल में हुई ऑनलाइन परीक्षाओं में 90-95 प्रतिशत तक अंक हासिल किये थे। अब उनकी हालत देखकर सबने सिर पकड़ लिया है। बार-बार यह कहा जा रहा है कि ऑनलाइन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने पुस्तक खोलकर परीक्षा दी जिसके कारण उनके अच्छे नंबर आए। उनकी पढ़ने और याद करने की आदत चली गई। पर यह केवल आधा सच है। यदि ऑनलाइन परीक्षा घटिया ढंग से ली गई है तो इसकी जिम्मेदारी परीक्षार्थियों पर नहीं थोपी जा सकती। दुनिया भर में ऑनलाइन डिग्रियों का चलन बढ़ रहा है। बड़े बड़े नामचीन विश्वविद्यालय ऑनलाइन कोर्स डिजाइन कर रहे हैं। बाकायदा पढ़ाई हो रही है। प्रोजेक्ट वर्क हो रहा है। डिग्री भी मिल रही है और नौकरी भी। छत्तीसगढ़ के तमाम कालेजों को कोरोना काल के बाद एक नया टारगेट दे दिया गया - किसी भी कीमत पर नैक मूल्यांकन कराने का। अध्यापकों-प्राध्यापकों का पूरा अमला दिन रात इसी में व्यस्त रहा। जिन कालेजों के बच्चों को शून्य मिले हैं, उनके पास भी नैक के अच्छे ग्रेड हैं। कोरोना काल को सभी ने झेला था - पर सबसे ज्यादा मार उनपर पड़ी तो कोरोना काल में डिग्री लेकर निकले। तब नौकरी मिली नहीं और अब उनकी डिग्रियां बासी हो गई हैं। ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन मजबूरी के तहत किया गया था और इसका तरीका भी मजबूरी वाला ही था। प्रश्न पत्र मिलेगा। घर से उत्तर लिखकर लाओ। चाहो तो चार पांच विद्यार्थी साथ बैठकर इन्हें हल करो। इसके बाद उसे कालेज पहुंचाओ जहां से इसे अच्छी तरह सील कर विश्वविद्यालय को पहुंचाया जाएगा। मजे की बात यह कि प्रश्न पत्रों का पैटर्न तक नहीं बदला गया। इसके बाद 'अछूत' उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने की बारी आई। कितनों ने बंडल खोले, इसका भी कोई हिसाब किताब नहीं है। कॉलेज खुलने के बाद भी पढ़ाई हाशिए पर रही। फिर दोष सिर्फछात्रों का कैसे?

हर्ष मीडिया एडवरटाईजर्स के बढ़ते कदम....

LED SCREEN
के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए
संपर्क करे

शॉप-12, प्रेस परिसर, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
शहीद भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

अब राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश में....

- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- जयस्तंभ चौक, सिन्धु सदन, किरण होटल, रायपुर, जिला-रायपुर
- संदेश बन्धु बिल्डिंग परिसर, वीआईपी चौक मोड, वार्ड क्रमांक-51, तेलीबांधा, रायपुर, जिला-रायपुर
- पचपेड़ी नाका चौक, रायपुर, जिला-रायपुर
- मिलन स्वीट्स, रेलवे स्टेशन चौक, रायपुर
- नेशनल हाईवे-53, पावर हाउस रेलवे स्टेशन, भिलाई, जिला-दुर्ग
- पाटन पुल,उतई (मा. मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र), जिला-दुर्ग
- आकाशगंगा चौपाटी, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
- सिरसा गेट चौक, भिलाई-3, जिला दुर्ग
- अग्रसेन चौक, बिलासपुर, जिला - बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, टिकट काउंटर के सामने, गेट नं.-03, बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म नं.-01, गेट नं.-04, बिलासपुर
- पड़ाव चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली
- दाऊपारा चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली

Harsh Media Advertisers

Contact_-
9303289950
9131425618
9827806026

संपादकीय

संसद से अपेक्षा

मंगलवार को मणिपुर के मुद्दे पर केंद्र की एनडीए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद तरुण गोगोई ने जो कुछ कहा, उसके राजनीतिक निहितार्थ जो भी हों, पूर्वोत्तर के लिहाज से इस पूरी बहस की अहमियत काफी है। तरुण खुद मणिपुर से सटे प्रदेश असम से चुनकर आते हैं। ऐसे में, विपक्ष ने उचित ही उन्हें इस अविश्वास प्रस्ताव का मुख्य प्रस्तावक बनाया। पिछले तीन महीने से भी अधिक समय से मणिपुर के हालात संभल नहीं रहे। कुछ-कुछ अंतराल पर वहां हिंसा भड़क उठ रही है। हालात की गंभीरता के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा है, ऐसे में सरकार से राजनीतिक जवाबदेही की विपक्ष की मांग उसका सांविधानिक दायित्व भी है और अधिकार भी, आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एक मुफीद दांव तो खैर है ही। लेकिन जब मणिपुर की मौजूदा स्थिति की बात हो रही है, तब वक्ताओं को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि वे कुछ भी ऐसा न कहें, न बोलें, जो पीड़ित प्रदेश के किसी भी पक्ष के जख्मों को कुरेदने वाला हो। यह विडंबना ही है कि जिस पूर्वोत्तर को विशेष महत्व देने के लिए एनडीए-2 सरकार का गुणगान हो रहा था, उसके एक सूबे के हालात ही उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की वजह बने। ऐसी बहसों में विपक्ष के वक्ता जहां सरकार की खामियां गिनाते हैं, तो वहीं सत्ता पक्ष के सांसद-मंत्री तर्कों के साथ उसकी काट पेश करते हैं। मगर हमारे सार्वजनिक जीवन में शिष्टाचार की जगह जिस तरह कटुता हावी होती जा रही है, उसका असर अब संसदीय बहसों में भी दिखता है। आप शुरुआती लोकसभा की बहसों को और पिछले दो-तीन दशकों की संसदीय बहसों का स्तर देखिए, फर्क नजर आ जाएगा। हमारी संसदीय बहसों में अब समाधान वाले सुझावों की जगह जुमले उछालने की प्रवृत्ति ज्यादा हावी हो चली है। इससे स्रोताओं-दर्शकों में चाहे जितनी वाहवाही मिले, सदनों में विधायी गतिशीलता नहीं आ पाती। यही कारण है कि अब सरकारें बिना बहस कराए अहम विधेयक भी पारित कराने में कामयाब होने लगी हैं। संसदीय लोकतंत्र में अंकगणित सबसे अहम होता है। यह बात सभी जानते हैं कि लोकसभा में सरकार के पक्ष में भारी संख्या बल है। विपक्ष इसके बावजूद अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है, तो वह भी इसके नतीजे से वाकिफ होगा ही। नियमों-परंपराओं के अनुरूप स्वाभाविक ही सत्ता पक्ष को बहस के लिए अधिक वक्त मिला है और विपक्ष को कम। अब विपक्षी वक्ताओं का कौशल इसमें है कि वे जिस मुद्दे पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, उसके प्रति व्यापक संवेदनशीलता पैदा कर सकें और सत्ता पक्ष की कामयाबी इसमें है कि वह मणिपुर के लोगों समते पूरे देश को मुत्मईन कर सके कि हर जख्म पर मरहम रखा जाएगा और पूरा देश अपने मणिपुरी भाई-बहनों के साथ है। देश की संसद से समवेत स्वर तमाम सरहदी सूबों के बाशिंदों को जाना चाहिए कि वे खुद को अकेला न समझें! पूर्वोत्तर के प्रदेशों की यह पुरानी शिकायत रही है कि नई दिल्ली उनकी तकलीफों के प्रति संजीदा नहीं है। मणिपुर हिंसा ने इसे और मजबूत ही किया है। इसलिए तमाम दलों को इस मुद्दे को राजनीतिक नफे-नुकसान के बजाय राष्ट्रीय एकता के नजरिये से देखना होगा। निस्संदेह, बहस के अंत में प्रधानमंत्री के जवाब का इंतजार मणिपुर, पूर्वोत्तर के लोगों के साथ-साथ पूरे देश को है।

> “ हमारी संसदीय बहसों में अब समाधान वाले सुझावों की जगह जुमले उछालने की प्रवृत्ति ज्यादा हावी हो चली है। इससे स्रोताओं-दर्शकों में चाहे जितनी वाहवाही मिले, सदनों में विधायी गतिशीलता नहीं आ पाती। यही कारण है कि अब सरकारें बिना बहस कराए अहम विधेयक भी पारित कराने में कामयाब होने लगी हैं। संसदीय लोकतंत्र में अंकगणित सबसे अहम होता है। यह बात सभी जानते हैं कि लोकसभा में सरकार के पक्ष में भारी संख्या बल है।

दिमागी सेहत क्यों खराब?

एक ट्रेन में चार लोगों को मार देने के बाद यह दावा सामने आया कि आरोपी रेलवे पुलिसकर्मी चेतन सिंह मानसिक रूप से बीमार है। हालांकि इस दावे को स्वीकार ना करने के कई ठोस तर्क हैं, इसके बावजूद संकेत हैं कि बचाव पक्ष इस दलील को लेकर आगे बढ़ेगा। चेतन सिंह के खिलाफ जाने वाला सबसे मजबूत साक्ष्य रेल मंत्रालय का दो अगस्त का बयान है, जिसमें कहा गया था कि आरोपी निजी स्तर पर अपना इलाज करवा रहा था, यह सूचना किसी आधिकारिक रिकॉर्ड में कहीं दर्ज नहीं है। लेकिन मंत्रालय ने कुछ ही घंटों के अंदर इस बयान को वापस ले लिया और कहा कि इस मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति बनाई गई है, जो इस घटना से जुड़े सभी पहलुओं को देखेगी। रुख का इस तरह बदलना विवादास्पद है। बहरहाल, मंत्रालय के इस रुख ने भारत में सुरक्षाकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य और उसको लेकर इन बलों के प्रशासन के रुख को लेकर एक तीखी बहस छेड़ दी है।

सवाल उठा है कि क्या इन बलों का प्रशासन ऐसे मामलों को छिपाता है और क्या उसके पास अपने जवानों के दिमागी इलाज का कोई तंत्र नहीं है? यह तो एक तथ्य है सुरक्षाकर्मियों का एक बड़ा हिस्सा मानसिक तनाव के बीच काम कर रहा है। खुद केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। राज्य सभा में मंत्रालय ने बताया है कि 2020 में सभी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में 3,584 कर्मियों का मानसिक इलाज चल रहा था, लेकिन 2022 में यह संख्या बढ़ कर 4,940 हो गई थी। यह दो सालों में करीब 38 प्रतिशत की उछाल है। इन आंकड़ों में बीएसएफ, सीएआईएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और असम राइफल्स शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि 2018 से 2022 के बीच सभी अर्धसैनिक बलों में 658 कर्मियों ने आत्म हत्या कर ली। ऐसी घटनाएं वर्षों से जारी हैं। प्रश्न यह है कि इनका कोई स्थायी समाधान क्यों नहीं ढूंढा गया है? चेतन सिंह के सवाल पर मुमकिन है कि सरकार को कठघरे में खड़ा ना किया जाए, लेकिन इस बड़े मुद्दे पर उसके पास आखिर अपना क्या बचाव है?

नड्डा को काम का बंटवारा करना है

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने कार्यकाल का विस्तार होने के छह महीने बाद अपनी टीम का गठन किया। उन्होंने पिछले दिनों 38 सदस्यों की अपनी टीम की घोषणा की। लेकिन काम का बंटवारा नहीं किया। यह अलग बात है कि नई टीम ज्यादातर पुराने सदस्यों को रखा गया है। फिर भी कई कारणों से काम का बंटवारा जरूरी है। अगले तीन-चार महीने में राज्यों में होने वाले चुनाव और अगले साल के लोकसभा चुनाव के हिसाब से भी काम का बंटवारा जरूरी है। लेकिन यह इसलिए भी जरूरी है कि जो पदाधिकारी हटे हैं उनका काम किसी को नहीं दिया गया है और कुछ पदाधिकारी पहले से निष्क्रिय हैं, उन्हें नई जिम्मेदारी देने की जरूरत है। मिसाल के तौर पर पार्टी की महासचिव डी पुरंदेश्वरी को आंध्र प्रदेश का अध्यक्ष बना दिया गया है। सो, महासचिव के नाते उनके पास जो जिम्मेदारी थी उसे किसी दूसरे महासचिव को देना होगा। ऐसे ही सीटी रवि को महासचिव पद से हटा दिया गया है। उनको कर्नाटक का अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा है। उनके पास भी जो प्रभार था वह किसी को देना होगा। राधामोहन सिंह पार्टी के उपाध्यक्ष थे और उत्तर प्रदेश के प्रभारी थे। अब किसी अन्य वरिष्ठ नेता को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया जाना है। कैलाश विजयवर्गीय फिर से पार्टी के महासचिव बनाए गए हैं। वे पश्चिम बंगाल के प्रभारी थे लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद उनकी सक्रियता शून्य हो गई थी।

> “ चौथी बार लोकसभा के लिए चुने गए राहुल के बारे में कहा जाता रहा कि वह शर्मीले हैं और आगे आकर जिम्मेदारियां लेने से कतराते हैं। इसीलिए मनमोहन सिंह के दूसरे प्रधानमंत्रित्व काल में उनके मंत्री बनने की चर्चाएं महज अटकलें बनकर रह गईं। शायद इसीलिए कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी राहुल की राजनीतिक क्षमताओं के प्रति ज्यादा आश्वस्त नहीं रहे, लेकिन 11 महीने में राहुल की समझ और उनकी क्षमताओं को लेकर प्रेक्षकों का आकलन बदला है।

विपक्ष को कितना मजबूत करेंगे राहुल

राज कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने कभी राजनीति को असीमित संभावनाओं का खेल बताया था। राहुल गांधी इन संभावनाओं का नया उदाहरण बनते दिख रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा और फिर मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत के बाद संसद सदस्यता की बहाली से राहुल के लिए राजनीतिक संभावनाओं के द्वार फिर से खुलते नजर आ रहे हैं। 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद राहुल ने जिस तरह अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया और फिर नेहरू-गांधी परिवार के बाहर से कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने पर अड़ गए, उसे कई राजनीतिक पंडितों ने हठधर्मी छवि के विस्तार के रूप में देखा, लेकिन अब वह एक सुविचारित राजनीतिक दांव बनता दिख रहा है।

प्रत्यक्ष संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त राहुल ने जनसंपर्क के जरिये राजनीतिक-सामाजिक समझ बढ़ाने और छवि सुधारने का जो प्रयास शुरू किया, कन्याकुमारी से कश्मीर तक की साढ़े तीन हजार किलोमीटर से भी लंबी भारत जोड़ो यात्रा उसी की परिणति रही। भारतीय राजनीति में पदयात्राओं और सघन जनसंपर्क की परंपरा रही है, लेकिन 21वीं शताब्दी में उसकी जगह रोड शो ने ले ली है। इसलिए अपनी विशिष्ट पारिवारिक पृष्ठभूमि के लिए कठघरे में खड़ा किए जाने वाले अपेक्षाकृत युवा राजनेता की इतनी लंबी यात्रा, खासकर युवा पीढ़ी के लिए एक अनूठी और सकारात्मक पहल बन गई।

दलगत आकलन और रणनीति अपनी जगह है, पर तटस्थ प्रेक्षक मानते हैं कि न सिर्फ राहुल की छवि, बल्कि राजनीतिक-सामाजिक-आर्थिक समझ भी यात्रा से बेहतर हुई, इसलिए भी अब अचानक विभिन्न वर्गों के बीच पहुंच कर उनसे सहज-सरल संवाद को उनके सलाहकार राजनीतिक रणनीति की तरह इस्तेमाल करने लगे हैं। मोदी सरनेम मामले में गुजरात की अदालत द्वारा दो वर्ष की अधिकतम सजा के बाद गई अपनी सांसदी सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत की बदौलत वापस मिलने पर भी लोकसभा जाने से पहले राहुल दिल्ली की आजादपुर मंडी में व्यापारियों-मजदूरों से मिलने चले गए। तीन महीने से भी ज्यादा समय से जातीय हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर भी राहुल सरकार के कुछ प्रतिबंधों के बावजूद गए और पीड़ितों से मिले। दरअसल, भारत जोड़ो यात्रा से राहुल की समझ और छवि निखरी, तो मानहानि मामले में आए उतार-चढ़ाव से विपक्ष की राजनीति में भी उनका कद बढ़ा है।

चौथी बार लोकसभा के लिए चुने गए राहुल के बारे में कहा जाता रहा कि वह शर्मीले हैं और आगे आकर जिम्मेदारियां लेने से कतराते हैं। इसीलिए मनमोहन सिंह के दूसरे प्रधानमंत्रित्व काल में उनके मंत्री बनने की चर्चाएं महज अटकलें बनकर रह गईं। शायद इसीलिए कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी राहुल की राजनीतिक क्षमताओं के प्रति ज्यादा आश्वस्त नहीं रहे, लेकिन 11 महीने में राहुल की समझ और उनकी क्षमताओं को लेकर प्रेक्षकों का आकलन बदला है। जब पिछले साल कांग्रेस के उदयपुर चिंतन शिविर में राहुल गांधी द्वारा भारत जोड़ो यात्रा की घोषणा की गई, तब उस पर राजनीतिक क्षेत्रों से लेकर मीडिया तक में कैसी प्रतिक्रिया हुई थी? पर 7 सितंबर, 2022 को कन्याकुमारी से शुरू यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ती गई, तटस्थ सोच भी बदलती गई। चुनाव-दर-चुनाव पराजय से पस्त कांग्रेस को तो इस यात्रा से नया उत्साह मिला ही, संपर्क-संवाद के बाद जन-साधारण की राय भी राहुल के बारे में बदली। गुजरात की हार व हिमाचल प्रदेश की जीत में वह यात्रा भले कारक न रही हो, पर कर्नाटक में कांग्रेस ने जिस तरह भाजपा से सत्ता छीनी, उसमें राहुल की यात्रा की बड़ी भूमिका रही। राहुल की जो छवि बड़ी विरासत के सहारे राजनीति में आए युवा की थी, यात्रा और मानहानि मामले से एक जुझारू राजनेता की बनती दिख रही है। अब उनकी सांसदी बहाली और अगला लोकसभा चुनाव भी लड़ सकने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

बेशक सुप्रीम कोर्ट ने राहुल को क्लीन चिट नहीं दी है, बल्कि उनके बयान को आपत्तिजनक मानते हुए नसीहत दी है कि सार्वजनिक जीवन में संयमित भाषा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यह राहुल समेत उन तमाम नेताओं के लिए सबक है, जो समर्थकों की तालियों और मीडिया की सुर्खियों की लालसा में ऐसी जुमलेबाजी करने में संकोच नहीं करते, जो अमर्यादित भाषा के दायरे में आती है। राजनीतिक मतभेद के चलते की जाने वाली आलोचना अक्सर मुद्दों व तथ्यों पर आधारित होती है, जबकि मनभेद में व्यक्तिगत टीका-टिप्पणी की जाती है, जिसके लिए स्वस्थ लोकतंत्र और सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। राहुल प्रकरण और उन्हें राहत देते हुए भी सुप्रीम कोर्ट की नसीहत से हमारे राजनेता क्या सबक लेंगे, यह तो भविष्य ही बताएगा, लेकिन इस राहत ने विपक्ष की राजनीति में राहुल की राह आसान कर दी है। चंद महीने पहले तक कई विपक्षी दिग्गज राहुल को चेहरा बनाए जाने को चुनावी संभावनाओं के लिए बेहतर नहीं मान रहे थे, लेकिन सांसदी बहाली के बाद 7 अगस्त को जब राहुल संसद पहुंचे, तो उनके स्वागत के लिए नवगठित विपक्षी गठबंधन : इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस यानी 'इंडिया' के सभी सांसद एकजुट हो गए। शायद विपक्ष ने अंतर्विरोधों और महत्वाकांक्षाओं के टकराव के बावजूद राहुल की शहीद वाली छवि के चुनावी प्रभाव और परिणाम का आकलन करते हुए उन्हें अपना चेहरा बनाने का मन बना लिया है। मोदी सरकार और भाजपा की आलोचना में ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल भी पीछे नहीं हैं, पर राहुल अपने विरोध को ज्यादा आगे तक ले गए।

राहुल को सजा भले आपत्तिजनक बयान के लिए मिली हो, लेकिन पूरे प्रकरण से कांग्रेस यह अवधारणा बनाने की कोशिश कर रही है कि उन्हें राजनीतिक वजह से निशाना बनाया गया। राजनीति में कई बार वास्तविकता से ज्यादा धारणा प्रभावी साबित होती है। लोकसभा के संख्या गणित के मद्देनजर वर्तमान अविश्वास प्रस्ताव का परिणाम सभी जानते हैं, पर असली लक्ष्य तो अगले साल होने वाला आम चुनाव है। केंद्रीय सत्ता के संघर्ष में चुनावी मुद्दों के साथ अवधारणा क्या भूमिका निभाएगी- यह इस पर निर्भर करेगा कि अपनी छवि बदलने में सफल दिख रहे राहुल गांधी निहित स्वार्थ के लिए एकजुट होने की विपक्ष की छवि को कितना बदल पाएंगे, ताकि मतदाता उसे विश्वसनीय विकल्प के रूप में देख सकें?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

छत्तीसगढ़ में आदिवासियों का बढ़ा मान, मेहनत का मिला वाजिब दाम

ललित चतुर्वेदी, उप संचालक

आनंद सोलंकी, सहायक संचालक

छत्तीसगढ़ के वन और आदिवासी सदियों से राज्य की पहचान रहे हैं। प्रदेश के लगभग आधे भू-भाग पर जंगल हैं, जहां छत्तीसगढ़ की गौरवशाली आदिम संस्कृति फूलती-फलती है। आदिवासियों का पूरा जीवन वनों पर आधारित होने के बावजूद समय के साथ-साथ उनकी वनों के साथ दूरी बढ़ती गई। भारत के दूसरे आदिवासी क्षेत्रों की तरह छत्तीसगढ़ के आदिवासियों को भी जल-जंगल-जमीन पर अपने अधिकार के लिए लड़ाई लड़नी पड़ी। पृथक छत्तीसगढ़ राज्य का सपना इन्हीं अधिकारों की वापसी का सपना था।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आदिवासियों तक उनके सभी अधिकार पहुंचाने का वायदा किया था। साथ ही उन्हें हर तरह के शोषण से मुक्ति दिलाने का भी वायदा किया था। इन वायदों को पूरा करने के लिए सरकार ने लगातार ऐसे कदम उठाए, जिनसे वनों के साथ आदिवासियों का रिश्ता फिर से मजबूत हुआ है और इन क्षेत्रों में विकास की नई सुबह हुई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की विकास, विश्वास और सुरक्षा नीति के चलते वनांचल में रहने वाले लोगों के जीवन में तेजी से बदलाव आने लगा है। भूपेश बघेल की सरकार ने आदिवासी समाज की जरूरतों और अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई और पूरी संवेदनशीलता के साथ उनका क्रियान्वयन किया। सरकार बनते ही इसकी शुरूआत लोहंडीगुड़ा के किसानों की जमीन वापसी से की। बस्तर के लोहंडीगुड़ा क्षेत्र के 10 गांवों में एक निजी इस्पात संयंत्र के लिए 1707 किसानों से अधिग्रहित 4200 एकड़ जमीन वापिस की गई। इससे वहां के निवासियों को कृषि व्यवसाय के लिए पट्टे दिए जा सकेंगे। नए उद्योगों की स्थापना हो सकेगी। आजादी के बाद पहली बार अबूझमाड़ क्षेत्र के 2500 किसानों को मसाहती खसरा प्रदान किया गया। अब तक अबूझमाड़ के 18 गांवों के सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है और 2 गांवों का सर्वे प्रक्रियाधीन है।

वनांचल में तेजी से बदलाव लाने के लिए राज्य सरकार ने तेंदूपत्ता संग्रहण दर को 2500 रूपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा करके, 67 तरह के लघु वनोपजों के समर्थन मूल्य पर संग्रहण, वेल्यूएडिशन और उनके विक्रय की व्यवस्था की गई। इनका स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण और वेल्यू एडिशन करके राज्य सरकार ने न सिर्फ आदिवासियों की आय में बढ़ोत्तरी की है, बल्कि रोजगार के अवसरों का भी निर्माण किया है। वर्ष 2018-19 से लेकर वर्ष 2022-23 में राज्य में 12 लाख 71 हजार 565 क्विंटल लघु वनोपज की खरीदी समर्थन मूल्य पर की गई, जिसका कुल मूल्य 345 करोड़ रूपए है। वनोपज संग्रहण के लिए संग्राहकों को सबसे अधिक पारिश्रमिक देने वाला राज्य छत्तीसगढ़ है। तेन्दूपत्ता संग्राहकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए शहीद महेन्द्र कर्मा तेन्दूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना अगस्त 2020 में शुरू की गई। योजना के अंतर्गत 3827 हितग्राहियों को 57.52 करोड़ रूपए की अनुदान राशि उपलब्ध कराई गई है।

आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति से देश-दुनिया को परिचित कराने के लिए राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव जैसे गौरवशाली आयोजनों की शुरूआत राज्य सरकार द्वारा की गई। देवगुड़ियां और घोटुलों का संरक्षण और संवर्धन कर राज्य सरकार ने आदिम जीवन मूल्यों को सहेजा और संवारा है। भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार ने देवगुड़ी, ठाकुरदेव एवं सांस्कृतिक केन्द्र घोटुल निर्माण व मरम्मत के लिए दी जाने वाली राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

वर्ष 2017-18 में प्रति देवगुड़ी के लिए एक लाख रूपए की सहायता प्रदान की जाती थी, राज्य शासन द्वारा वर्ष 2021-22 में वृद्धि कर प्रति देवगुड़ी, घोटुल निर्माण, मरम्मत के लिए 5 लाख रूपए तक की सीमा कर दी है। विगत साढ़े तीन वर्षों में 2763 देवगुड़ी के लिए 51 करोड़ 55 लाख 83 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही अबूझमाड़िया जनजाति समुदायों में प्रचलित घोटुल प्रथा को संरक्षित करने का प्रयास भी किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 में नारायणपुर जिले में 104 घोटुल के निर्माण के लिए 4.70 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। सरकार द्वारा आदिवासियों के तीज-त्यौहारों की संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित करने और इन त्यौहारों, उत्सवों को मूल रूप से आगामी पीढ़ी को हस्तांतरण तथा सांस्कृतिक परंपराओं का अभिलेखीकरण करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना शुरू की गई है।

राज्य में वन अधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से जल-जंगल-जमीन पर आदिवासी समाज को संबल मिला है। व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र, सामुदायिक वन अधिकार और सामुदायिक वन संसाधन के अधिकार के साथ-साथ रिजर्व क्षेत्र में वन अधिकार वनवासियों को दिए गए। विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समाज का महापर्व है। इसे पूरी गरिमा और भव्यता से मनाने की शुरूआत राज्य सरकार द्वारा की गई है। छत्तीसगढ़ में आदिवासियों का मान बढ़ाने के लिए विश्व आदिवासी दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

राज्य के वन क्षेत्रों में काबिज भूमि का आदिवासियों और पारंपरागत निवासियों को अधिकार देने के मामले में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी राज्य है। राज्य में निरस्त दावों की पुनः समीक्षा करके वन अधिकार मान्यता पत्र वितरित किए जा रहे हैं। विगत पौने पांच वर्षों में 59,791 व्यक्तिगत, 25,109 सामुदायिक वन अधिकारी पत्र वितरित किए गए हैं। देश में सर्वप्रथम नगरीय क्षेत्र में व्यक्तिगत वन अधिकार, सामुदायिक वन अधिकार एवं सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र प्रदाय करने की कार्यवाही छत्तीसगढ़ में की गई।

प्रदेश में विशेष रूप से कमजोर जनजातियों को पर्यावास के अधिकार प्रदाय करने की कार्यवाही धमतरी जिले में प्रारंभ की गई। राज्य में अब तक विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह को 23,571 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र, 2360 सामुदायिक वन अधिकार पत्र तथा 184 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र प्रदाय किया गया है। वितरित व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रों में से 17,411 वन अधिकार पत्र एकल महिलाओं (विधवा, निर्धन, अविवाहित, तलाकशुदा) को वितरित किए गए हैं।

राज्य में अब तक अभ्यारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान में 18 सामुदायिक वन अधिकार पत्र प्रदाय किए गए हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अब तक 3694 सामुदायिक वन अधिकार संसाधन मान्य किए गए हैं, जिसके अंतर्गत 17,29,237 हेक्टेयर भूमि के संरक्षण, संवर्धन तथा प्रबंधन का अधिकार ग्राम सभाओं को दिया गया है।

राज्य में बीते साढ़े 4 सालों में 4,54,415 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र के अंतर्गत हितग्राहियों को 3,70,275 हेक्टेयर भूमि दी गई है। सामुदायिक वन अधिकार मान्यता के अनुसार 45,847 पत्र वितरित किए गए है, जिसके तहत 19,83,308 हेक्टेयर भूमि प्रदाय की गई है। 3,731 ग्राम सभाओं को सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र जारी कर 15,32,316 हेक्टेयर भूमि का अधिकार सौंपा गया है।

राज्य में वन अधिकार एवं मान्यता पत्र के अंतर्गत आबंटित भूमि 5 लाख से अधिक परिवारों के लिए आजीविका का जरिया बन गई है। सामुदायिक वन अधिकार एवं वन संसाधन अधिकार के अंतर्गत प्रदत्त भूमि का फलदार वृक्षों के रोपण को बढ़ावा दिया जा रहा है। अबूझमाड़ इलाके में भी वन अधिकार अधिनियम के तहत तेजी पट्टे बांटे जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य में नेशनल पार्क क्षेत्र में वन संसाधन मान्यता पत्र देने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है। ओड़िशा के बाद बस्तर में कांकेर वैली नेशनल पार्क क्षेत्र में वन संसाधन अधिकार मान्यता पत्र देने की पहल की गई है, इससे वन वासियों को रोजगार के साथ-साथ आय के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे। वन भूमि पट्टा धारियों की उपज के समर्थन मूल्य पर क्रय करने के अलावा उन्हें राजीव गांधी किसान न्याय योजना का लाभ दिया जा रहा है। वन अधिकार मान्यता पत्र हितग्राहियों की कृषि भूमि के समतलीकरण तथा मेढ़-बंधान कार्य में भी शासन द्वारा मदद की जा रही है। साथ ही उन्हें खाद-बीज एवं कृषि उपकरण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्य में 41 हजार से अधिक हितग्राहियों को 11 हजार हेक्टयेर से अधिक भूमि पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी गई है। वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, रोजगार, पेयजल आदि से संबंधित जन सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

पेसा कानून से मिलेगा अधिकार

छत्तीसगढ़ सरकार पेसा कानून के नियमों को लागू करने के विषय में गंभीरता से प्रयास कर रही है। पेसा कानून के नियम बन जाने से अब इसका क्रियान्वयन सरल हो जाएगा। इससे आदिवासी समाज के लोगों में आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की भावना आएगी। ग्राम सभा का अधिकार बढ़ेगा। ग्राम सभा के 25 प्रतिशत सदस्य आदिवासी समुदाय के होंगे और इस 50 प्रतिशत में एक चौथाई महिला सदस्य होंगे। ग्राम सभा का अध्यक्ष आदिवासी ही होगा। महिला और पुरूष अध्यक्षों को एक-एक साल के अंतराल में नेतृत्व का मौका मिलेगा। गांव के विकास में निर्णय लेने और आपसी विवादों के निपटारे का अधिकार भी इन्हें होगा।

छत्तीसगढ़ सरकार की विकास, विश्वास और सुरक्षा की नीति के चलते वनांचल में रहने वाले लोगों के जीवन में तेजी से बदलाव आया है। आदिवासियों की आय में वृद्धि और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

एनआईटी रायपुर में हुआ हर घर ध्यान अभियान का आयोजन

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में 08 अगस्त 2023 को मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा हर घर ध्यान अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की एक पहल है और आर्ट ऑफलिविंग द्वारा आयोजित है। संस्थान के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एडवांस्ड मेडिटेशन प्रोग्राम टीचर तथा एनआईटी रायपुर के सन 1981 के छात्र रह चुके श्री अश्विनी कुमार जग्गी जी रहे। कार्यक्रम में भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. साधना अग्रवाल, मानवता तथा सामाजिक विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. जया द्विवेदी, मैकेनिकल विभाग की प्रोफेसर डॉ. एस. एल. सिन्हा, मानवता तथा सामाजिक विभाग के शिक्षण सहायक श्री सूरज निषाद, अन्य फैकल्टी सदस्य छात्र- छात्राएं तथा पीएचडी स्कॉलर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समन्वयन मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की योगा फैकल्टी डॉ. मंजू शुक्ला द्वारा किया गया। अश्विनी कुमार जग्गी जी ने तनाव के कारणों को समझाते हुए सत्र की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि किसी भी काम में सत प्रतिशत ध्यान केंद्रित न करने की वजह से तनाव विकसित होता है। हम कभी भी वर्तमान क्षण में पूरी तरह से केंद्रित नहीं होते हैं और हमारा मन अतीत और भविष्य के बीच फंसा हुआ रहता है, जिससे क्रोध, चिंता तथा भय की भावना का विकास होता है।

कैम्पाः वनवासियों के आस्था का केन्द्र देवगुड़ियों का तेजी से हो रहा विकास तथा सौन्दर्यीकरण

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा राज्य के सुदूर वनांचल में वनवासियों के आस्था का केन्द्र ''देवगुड़ियों'' का संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य तेजी से जारी है। इस तारतम्य में जगदलपुर वनवृत के अंतर्गत बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर वनमंडल के वन क्षेत्रों में ग्रामीणों की आस्था के प्रतीक देववन, देवगुड़ी तथा देव सरना आदि का संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है। इनमें वर्ष 2018-19 से 2021-22 तक 94 देवगुड़ियों में संरक्षण एवं संवर्धन कार्य अंतर्गत उनके बाउण्ड्रीवॉल तथा चैनलिंक फैंसिंग इत्यादि का कार्य शत-प्रतिशत् पूर्ण कर लिया गया है। इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक व्ही.श्रीनिवास राव ने जानकारी दी कि इनके विकास कार्य के लिए कैम्पा के तहत 4 करोड़ 58 लाख रूपए की राशि स्वीकृत थी। मुख्य वन संरक्षक जगदलपुर मोहम्मद शाहिद ने बताया कि देवगुड़ियों के संरक्षण एवं संवर्धन से स्थानीय वनवासियों के विश्वास तथा आस्था को मजबूती मिली है। अवैध कटाई, अतिक्रमण पर रोकथाम सहित अग्नि सुरक्षा आदि के कार्यों में वनों के विकास के लिए परस्पर सहयोग प्रदान करने में जुटे हुए हैं।

सेहत बाजार मिलेट्स कैफे का मुख्यमंत्री ने किया शुभारम्भ

रागी से बने इडली, ब्राउनी, दोसा, पुड़ी और कोदो खीर का आनंद लेकर की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने जगदलपुर प्रवास के दौरान आज मंगलवार शाम दलपत सागर के सामने नव निर्मित 'सेहत बाजार' मिलेट्स कैफे का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहेदव सहित रागी पुड़ी, रागी दोसा, रागी ब्राउनी, रागी इडली एवं कोदो खीर का आनंद लिया। मुख्यमंत्री ने कैफे संचालक महिलाओं से चर्चा कर मिलेट्स से बने उत्पादों की सराहना की और उन्हें शुभकामना स्वरूप 5 हजार रूपए की राशि प्रदान की।

सेहत बाजार का संचालन मॉम्स फूड संस्था जगदलपुर द्वारा किया जा रहा है। इस कैफे में जरूरतमंद महिलाएं जो पूर्व में टिफिन बनाने का कार्य किया जाता था उनके द्वारा संचालन किया जाएगा। ऐतिहासिक दलपत सागर के सामने पर्यटकों की सुविधा एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दंतेश्वरी मंदिर समिति द्वारा दुकान संचालन हेतु प्रदान किया गया है। इस कैफे में रागी चीला, रागी दोसा, रागी इडली, रागी उपमा, रागी पकोड़ा, रागी पूरी, रागी खिचड़ी, महुआ चाय, काढ़ा चाय इत्यादि पौष्टिक खाद्य सामग्री की सुविधा उपलब्ध होगी। लोगों के लिए यहां स्वाद और पौष्टिकता से भरपूर व्यजंनों की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में आदिवासी इलाकों में मोटे अनाज जैसे रागी, कोदो, कुटकी का पहले से ही प्रयोग किया जाता रहा है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत फायदेमंद है, इसलिए अब दूसरे इलाकों में भी इन अनाज का काफी इस्तेमाल किया जा रहा है। इन मिलेट्स में पोषक तत्वों भी होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभप्रद होते है। विशेषज्ञों के अनुसार कोदो, कुटकी और रागी को प्रोटीन एवं विटामिन युक्त अनाज माना गया है। इसके सेवन से शुगर, बीपी जैसे रोग में लाभ मिलता है। सरगुजा और बस्तर की आदिवासी संस्कृति एवं खानपान में कोदो, कुटकी, रागी जैसी फसलों का महत्वपूर्ण स्थान है। मोटे अनाजों में कुटकी में आयरन एन्टीऑक्सीडेन्ट गुण होते हैं। यह एनीमिया रोगी के लिए भी लाभदायक होता है तथा इसके सेवन से माटापा नहीं होता। इसी प्रकार मोटे अनाज कोदो की विशेषता है कि यह पेट में नमी बनाये रखता है। इससे ब्लड सरकुलेशन बेहतर होता है तथा इसके सेवन से कैंसर की संभावना कम हो जाती है। रागी कैल्सियम और आयरन से भरपूर होता है। यह मधुमेह एवं एनीमिया रोगी के लिए लाभकारी होता है। इस प्रकार मोटे अनाजों में अनेक लाभकारी गुण पाए जाते हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मिलेट मिशन शुरू किया गया है। जिसके कारण अब छत्तीसगढ़ देश का मिलेट हब बनता जा रहा है। यहां राज्य सरकार द्वारा मिलेट की खेती को प्रोत्साहन देने के फलस्वरूप किसानों का रूझान कोदो, कुटकी और रागी की खेती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्य में मिलेट्स उत्पादन को बढ़ावा देने इसे राजीव गांधी किसान न्याय योजना में भी शामिल किया गया है।

राहगीरों को सड़क दुर्घटना से बचाने रिसाली निगम चला रहा अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। सड़क पर बैठे मवेशियों से होने वाले दुर्धटना को रोकने नगर पालिक निगम रिसाली लगातार अभियान चला रही है। मंगलवार को निगम कर्मियों ने दस मवेशी पकड कर गौठान पहुचाया। खास बात यह है कि रोका छेका को लेकर कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा गंभीर है। उनके निर्द्रेश के बाद रिसाली निगम लगातार सड़क पर बैठे मवेशियों को हटाने का कार्य कर रही है।

मुख्य सड़कों से लेकर सार्वजनिक जगहों पर विचरण कर रहे मवेशियों को पकड कर निगम के कर्मी गौठान पहुचा रहे है। मंगलवार को मरोदा, कृष्णा टॉकिज रोड से लगभग 10 मवेशियों को पकड कर काउ केचर से नेवई गौठान पहुचाया गया। इस मार्ग पर मवेशियों का जमावड़ा रहता है। राजस्व विभाग प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि अभियान का नीरिक्षण स्वयं आयुक्त आशीष देवांगन कर रहे है।

सप्ताह भर में पहुचा आंकडा 83: राजस्व विभाग प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि अभियान के तहत निगम कर्मी मुख्य सड़कों का भ्रमण करते है। मवेशी मिलने पर पकड कर गौठान पहुचाया जाता है। पहली अगस्त से मंगलवार तक कुल 83 मवेशियों को पकडा गया। उन्होंने बताया कि अभियान प्रति दिन चलेगा।

खटाल संचालकों को चेतावनी: राजस्व विभाग व जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को खटाल संचालकों की बैठक आहुत की। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि खटाल संचालक मवेशियों को खटाल से बाहर न छोड़े। नियमों का उल्लंधन करने पर जुर्माना वसूली की कार्यवाही की जायेगी।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम महाविद्यालय धनोरा में प्रवेश प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम महाविद्यालय धनोरा में प्रवेश प्रारंभ है। उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वर्ष 2015 में शासकीय आदर्श महाविद्यालय दुर्ग की स्थापना की गई। स्थापना के बाद सत्र 2022-23 तक यह महाविद्यालय दुर्ग जिले के अग्रणी महाविद्यालय, शासकीय वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के परिसर में संचालित होता रहा।

नवीन भवन के निर्माण के पश्चात् 7 अक्टूबर 2022 से नवनिर्मित परिसर में स्थानांतरित किया जाकर संचालित हो रहा है। प्रथमतः केवल बी.एस-सी. कंप्यूटर विज्ञान की कक्षा में ही अध्यापन प्रारंभ किया गया था। पिछले सत्र 2022-23 से बी.एस-सी. जीव विज्ञान, बी.एस-सी. गणित, बी.सी.ए. एवं बी. कॉम. कंप्यूटर एप्लीकेशन की कक्षाएँ भी संचालित की जा रहीं हैं। पिछले सत्र में इस महाविद्यालय में 272 विद्यार्थी अध्ययनरत थे। बढ़ती हुई कक्षाओं की संख्या के साथ इस सत्र में यहाँ लगभग 200 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश ले चुके हैं। शेष रिक्त सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया जारी है। शासन द्वारा इस महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों के बारह पद स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें नौ पदों पर नियमित पदस्थापना की जा चुकी है। वर्तमान में यह महाविद्यालय कंप्यूटर विज्ञान प्रयोगशाला, प्राणी विज्ञान प्रयोगशाला, वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला, भौतिक शास्त्र प्रयोगशाला तथा रसायन विज्ञान प्रयोगशाला आधुनिकतम उपकरणों से सुसज्जित है। सूचना तकनीकी के माध्यम से अध्यापन हेतु एक स्मार्ट बोर्ड युक्त स्मार्ट क्लास तथा तीन इंटर एक्टिव फ्लेट पैनल युक्त कक्षों में अध्यापन कार्य किया जा रहा है। बालकों के निवास हेतु 100 सीटर छात्रावास निर्मित हो चुका है तथा बालिका छात्रावास का निर्माण प्रगति पर है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा खेल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शालाओं के विजेता एवं पदक प्राप्त खिलाड़ी विद्यार्थियों के लिए खेल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह कार्यपालक निदेशक पवन कुमार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, मुख्य महाप्रबंधक जे वाय सपकाले विशेष रूप से उपस्थित रहे। यह समारोह भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि महोदय ने भी विजेता खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी व शिक्षा विभाग की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये सफलता कि प्रथम सीढ़ी है, खिलाड़ियों को आगे भी प्रयास करते हुए उच्चतम प्रतिमानों को हासिल करना है। मुख्य महाप्रबंधक जे वाय सपकाले ने अपने उद्बोधन में विजेता खिलाडियों को हार्दिक बधाईयाँ प्रेषित कीं। खिलाडियों ने अथक परिश्रम एवं निरंतर प्रयास तथा खेल शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप विभिन्न खेलों में पदक विजेता छात्रों प्राप्त की प्रशंसा की तथा क्रीड़ा समन्वयकों के योगदान की भी सराहना की।

महाप्रबंधक श्रीमती शिखा दुबे ने स्वागत भाषण में अतिथियों के स्वागत के साथ खेल की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। खिलाड़ियों के कड़े परिश्रम, त्याग एवं दृढ़ निश्चय कि भावना कि प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं ज्ञात हो कि सत्र 2022-23 में लगभग 300 छात्र - छात्राओं ने विभिन्न खेलों जैसे एथलेटिक्स, बाक्सिंग, हैण्डबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वोलीबॉल, जूडो, कराटे, फेंसिंग, चेस, क्रिकेट, गटका आदि में भाग लिया। इस सम्मान समारोह में 12 ओपन राष्ट्रीय पदक विजेता, 09 ओपन राष्ट्रीय प्रतिभागी, 06 स्कूल राष्ट्रीय खेल प्रतिभागी तथा 47 राज्य स्तरीय खेलों में पदक प्राप्त करने वाले कुल 74 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

मोतियाबिंद के ऑपरेशन वाले मरीजों से मिलकर उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना

मुख्यमंत्री बघेल ने जगदलपुर जिला चिकित्सालय में नेत्र रोग विंग 'अम्बक' का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मोतियाबिंद के ऑपरेशनमरीजों से मिलकर उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल जानामोतियाबिंद के ऑपरेशन वाले मरीजों से मिलकर उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल जानामोतियाबिंद के ऑपरेशन वाले मरीजों से मिलकर हाल-चाल जाना मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज शाम जगदलपुर जिला चिकित्सालय (महारानी अस्पताल) में नेत्र रोग विंग 'अम्बक' का शुभारंभ किया।

जिला चिकित्सालय के नेत्र रोग विभाग के भवन को 35 लाख रुपए की लागत से रिनोवेट कर वहां ऑपरेशन थिएटर में नई मशीनें स्थापित की गई हैं तथा यहां मरीजों के लिए सुविधाएं बढ़ाई गई हैं।

'अम्बक' में दो विशेषज्ञ डॉक्टरों सहित आंख के विभिन्न तरह के ऑपरेशन की सुविधा है। यहां की आईपीडी में 20 बिस्तर उपलब्ध हैं। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा भी शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए।

जगदलपुर जिला चिकित्सालय में नेत्र रोग विंग के शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल यहां की आईपीडी में उपचाररत मरीजों से मिले और उनसे बातचीत कर उनके स्वास्थ्य व आंख की रोशनी के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को फल भी भेंट किए।

मुख्यमंत्री ने यहां का सर्वसुविधायुक्त आपरेशन थिएटर भी देखा। संसदीय सचिव रेखचंद जैन, बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, विधायक राजमन बेंजाम और विक्रम मंडावी, क्रेडा के अध्यक्ष मिथिलेश स्वर्णकार, इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष राजीव शर्मा और महापौर श्रीमती सफीरा साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी इस दौरान मौजूद थे।

जगदलपुर जिला चिकित्सालय में इस साल अब तक 1052 मरीजों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन

जगदलपुर जिला चिकित्सालय के नेत्र रोग विभाग द्वारा राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम (एनपीसीबी) के अंतर्गत मोतियाबिंद मुक्त बस्तर अभियान के तहत प्रतिदिन औसतन 140-160 ओपीडी तथा 25-30 आईपीडी की जा रही है। इस साल अप्रैल से जुलाई तक कुल 5745 ओपीडी मरीजों के इलाज के साथ ही 1052 मोतियाबिंद के मरीजों का निःशुल्क सफल ऑपरेशन किया गया है। राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम (एनपीसीबी) के अंतर्गत जिले के विभिन्न स्कूलों में चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 5439 छात्र-छात्राओं के आंखों की जाँच की गई है। दृष्टि दोष वाले 52 विद्यार्थियों को निःशुल्क चश्मा भी प्रदान किया गया है।

कलेक्टर ने ज्ञानेश्वरी यादव और जगदीश विश्वकर्मा को किया सम्मानित

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने आज एशियन गेम्स एवं कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाली राजनांदगांव जिले की वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव तथा जूनियर, सिनियम कॉमनवेल्थ में कास्य पदक विजेता जगदीश विश्वकर्मा को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सम्मानित किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने ज्ञानेश्वरी यादव एवं जगदीश विश्वकर्मा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राजनांदगांव जिला खेल के क्षेत्र में प्रदेश में अपनी अलग पहचान रखता है और यहां से अनेक खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया है।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

आजादी के संघर्ष को बयां करता 'दास्तान-ए-आजादी' कार्यक्रम सराहनीयः मुख्यमंत्री बघेल

मुख्यमंत्री बघेल दास्तान-ए-आजादी कार्यक्रम में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित 'दास्तान-ए-आजादी' कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन दुर्गा देवी शिक्षण समिति, पार्क फाउंडेशन एवं सन्मति वेलफेयर सोसायटी द्वारा संस्कृति विभाग और छत्तीसगढ़ प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन के सहयोग से किया गया।

'दास्तान-ए-आजादी' कार्यक्रम में हिमांशु वाजपेयी, सुश्री प्रज्ञा शर्मा, वेदांत भारद्वाज तथा अजय टीपानिया द्वारा भारत की आजादी के इतिहास की रोचक शैली में संगीतमय प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर कहा कि 8 अगस्त है और यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बड़ा ही महत्वपूर्ण दिवस है। 8 अगस्त 1942 को के दिन महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आन्दोलन का आगाज किया था। यह आन्दोलन पूरे विश्व में अहिंसात्मक आंदोलन का अनूठा उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने बताया कि देश को आजादी दिलाने में महापुरूषों तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका सपना केवल आजादी हासिल करने तक सीमित नहीं था, बल्कि वे आजाद भारत के नवनिर्माण का सपना भी देख रहे थे।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार भगत सिंह जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जब अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे, तब वे भविष्य के भारत की रूपरेखा भी तैयार कर रहे थे। महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज का सपना देखा था। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले आधुनिक भारत का सपना देखा। आजादी मिलने के बाद जब पंडित जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री बने, तब उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण की बुनियाद रखी।

मुख्यमंत्री ने बघेल ने पंडित जवाहरलाल नेहरू पर केन्द्रित 'दास्तान-ए-आजादी' कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में यहां के तमाम बुद्धिजीवी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए हैं। कार्यक्रम में देश की आजादी में महापुरूषों तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को बड़ी ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया। यह सब कुछ किस्सागोई के माध्यम से दादी नानी से कहानियों के माध्यम से भी सुना करते थे। उसी परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए आज 'दास्तान-ए-आजादी' का कार्यक्रम हम लोग सुन रहे थे, यह कार्यक्रम अत्यंत शिक्षाप्रद भी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा तथा वरिष्ठ नागरिक एवं प्रबुद्धजन डॉ. राकेश गुप्ता, राकेश चतुर्वेदी, राजीव गुप्ता, मुकेश शाह, विजय चोपड़ा तथा आवेश तिवारी सहित सोसायटी के सदस्यगण स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

खास खबर...

हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी पूरक परीक्षा के परिणाम घोषित

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं सर्टिफिकेट पूरक हायर परीक्षा वर्ष 2023 का परीक्षा परिणाम कल 4 बजे घोषित किए गए। परीक्षा परिणाम छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की वेबसाइट https://eduportal.cg.nic.in/ पर देखे जा सकते हैं। हाईस्कूल सर्टिफिकेट पूरक परीक्षा वर्ष 2023 में कुल 31.563 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 30,664 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये, जिनमें से 16,228 बालक तथा 14,436 बालिकायें सम्मिलित हुई। इनमें से 30,649 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये। घोषित परीक्षा परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की कुल संख्या 6,213 है अर्थात् कुल 20.27 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण बालिकाओं का प्रतिशत 22.26 तथा बालकों का प्रतिशत 18.49 है। सम्मिलित परीक्षार्थियों में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 453, द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 4,958 तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 802 है। कुल 16 परीक्षार्थियों के परिणाम विभिन्न कारणों से रोके गये हैं, जिनमें 7 परीक्षार्थियों के परिणाम नकल प्रकरण के कारण रोके गये हैं तथा 9 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम बाद में घोषित किये जाएंगे। हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट पूरक परीक्षा वर्ष 2023 में कुल 29,230 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए थे। इनमें से 28,209 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये, जिनमें से 15,591 बालक तथा 12,618 बालिकायें सम्मिलित हुईं। इनमें से 28,185 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किये गए। घोषित परीक्षा परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की कुल संख्या 7,115 है अर्थात् कुल 25.24 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण बालिकाओं का प्रतिशत 27.20 तथा 1 बालकों का प्रतिशत 23.65 है। सम्मिलित परीक्षार्थियों में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 339, द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 5,519 तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 1,257 है। कुल 24 परीक्षार्थियों के परिणाम विभिन्न कारणों से रोके गये हैं, जिनमें 11 परीक्षार्थियों के परिणाम नकल प्रकरण के कारण रोके गए हैं तथा 13 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम बाद में घोषित किये जायेंगे।

राज्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में रिक्त पदों पर भर्ती हेतु काउंसिलिंग 9 से 16 अगस्त 2023 तक

रायपुर। राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण अधिकारियों के विभिन्न रिक्त पदों की पूर्ति हेतु व्यापम के माध्यम से आयोजित चयन परीक्षा के परिणाम घोषित किये जा चुके है। इन पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया ऑनलाईन काउंसलिंग के माध्यम से 9 अगस्त से 16 अगस्त 2023 रात्रि 11.59 बजे तक की जाएगी। ऑनलाईन काउंसलिंग की विस्तृत प्रक्रिया एवं कटऑफ मार्क्स की जानकारी संचालनालय की वेबसाइट cgiti.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है। अभ्यर्थी वेबसाइट का अवलोकन कर 09 अगस्त 2023 प्रातः से 16 अगस्त 2023 रात्रि 11.59 बजे तक उक्त वेबसाईट पर जाकर अभ्यर्थी ऑनलाईन काउंसलिंग की प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते हैं। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से नियमित रूप से वेबसाईट का अवलोकन करने को कहा है।

194 शासकीय आईटीआई में आरक्षण नियमों के अनुरूप मिलेगा प्रवेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन कौशल विभाग के अंतर्गत संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण के अधीन राज्य में संचालित 194 शासकीय आईटीआई में सत्र 2023-24 एवं 2023-25 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों से आवेदन 01 जून 2023 से 11 जून 2023 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित की गई थी। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार आरक्षण नियमों का पालन करते हुए 09 अगस्त 2023 को प्रथम चयन सूची जारी की जाएगी। प्रवेश हेतु संशोधित समय सारिणी विभागीय वेबसाइट cgiti.cgstate.gov.in पर उपलब्ध है, जिसका अवलोकन किया जा सकता है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव की तिथियों में हुआ परिवर्तन

पंजीयन 17 अगस्त तक तथा फिल्म जमा करने की अंतिम तिथि 19 अगस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सड़क हादसों को कम करने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा नई पहल की गई है। अब लघु फिल्मों के माध्यम से लोगो को जागरूक किया जाएगा। सड़क सुरक्षा जनजागरूकता अभियान के तहत छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव की तिथियों में परिवर्तन किया गया है। वर्षा ऋतु में फिल्म निर्माण में हो रही निर्माण की कठिनाइयों को देखते हुए तथा प्रतिभागियों के अनुरोध पर पंजीकरण की तिथि 10 अगस्त से बढ़ाकर 17 अगस्त तथा फिल्म जमा करने की अंतिम तिथि 12 अगस्त से बढ़ाकर 19 अगस्त निर्धारित की गई है।

छत्तीसगढ़ पुलिस ने प्रदेश की जनता से कहा है कि वे सड़क सुरक्षा अभियान के तहत लोगों को जागरूक करने के लिए 2 मिनट का लघु फिल्में बनाकर छत्तीसगढ़ पुलिस को भेजें।

छत्तीसगढ़ पुलिस में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव 2023 के अंतर्गत प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। इन लघु फिल्मों को अलग-अलग केटेगरी में राज्य सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर +91-9040834734, +91-9479191791 संपर्क किया जा सकता है या लुघ फिल्म प्रविष्टियों के लिए विस्तृत नियम एवं शर्तें छत्तीसगढ़ पुलिस की वेबसाइट पर देखी जा सकती है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटना को कम करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के साथ-साथ पूरे देश में सड़क सहयोग में वृद्धि को बढ़ावा देना है।

जिला स्वीप कोर टीम द्वारा शहरी मतदाताओं के मध्य चलाया जा रहा जागरुकता अभियान

अनुपम गार्डन में मॉर्निंग वॉक में आए नागरिकों को बताया गया मतदान का महत्व

92 वर्षीय मतदाता जामबती का किया गया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे के मार्गदर्शन शहरी क्षेत्र के मतदाताओं के मध्य मतदाता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्हें प्रेरक कार्यक्रमों के माध्यम से जिला स्वीप कोर टीम द्वारा मतदान का महत्व समझायां जा रहा है। राजधानी के आज अनुपम गार्डन में सुबह मॉर्निंग वॉक करने आए नागरिकों को स्वस्थ मतदान स्वस्थ लोकतंत्र अभियान के तहत स्वीप कोर टीम द्वारा मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर मतदाता 92 वर्षीय जामबती का सम्मान किया। श्रीमती जामबती ने कहा कि वे अपनी नातिन जिसकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है उसका नाम मतदाता सुची में दर्ज कर उसे वोट देने अपने साथ ले जाएगी।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे का संदेश नागरिकों देते हुए बताया कि जैसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम प्रतिदिन योग एवं व्यायाम करते हैं उसी प्रकार प्रजातंत्र को स्वस्थ रखने के लिए यह 18 वर्ष आयु से लेकर सभी आयु वर्ग के लोग हर चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करें और निष्पक्ष होकर मतदान करें । इस अवसर पर स्वीप टीम के सदस्य डॉ. कामिनी बावनकर और चुन्नीलाल शर्मा उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम के दौरान जुंबा ग्रुप के लीडर संजय शर्मा, योग प्रशिक्षक छबीलाल साहू एवं सरिता के समूह के विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने इस आयोजन में अपनी सहभागिता दी। साथ ही सभी ने यह संकल्प किया कि स्वस्थ मतदान के लिए अपने आसपास के लोगों को प्रेरित करेंगे। जिनका वोटर आईडी कार्ड नहीं बना है वह वोटर हेल्पलाइन एप में अपना पंजीयन कराएंगे।

रीपा की बदौलत मजदूर से बनी मालकिन, फ्लाई ऐश ईंट बनाकर महिलाएं हो रही आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी दूसरे के खेतों और फैक्ट्री में मजदूरी करने वाली महिलाएं आज खुद मालकिन बन गई है। अब वे खुद के लिए काम कर रही है। महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क के माध्यम से इन महिलाओं को आत्मनिर्भरता की नई राह मिली है। राज्य सरकार की इस नवाचारी पहल से उद्यमियों को बड़ा सहारा मिला है। गावों के गौठानों में अब तक 300 रीपा का निर्माण हो चुका है, जहां लोगों को आजीविका की गतिविधियों के लिए पर्याप्त साधन और सुविधाएं मिली है। ग्रामीण उद्यमियों के अपने पसंद का उद्यम संचालित करना आसान हो गया है।

महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम कांपा की खेतिहर और गरीब महिलाओं ने दुर्गा स्वयं सहायता समूह बनाया जिसमें 10 महिला सदस्य हैं। महिलाएं बिहान से जुड़कर आत्मविश्वासी बनी और अब रीपा से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। तकनीकी और मेहनत के कार्य को आमतौर पर महिलाओं के लिए दुरूह माना जाता है, लेकिन फ्लाई ऐश ईंट बनाने के इस काम को महिलाओं ने बखूबी करके दिखाया है। विगत 3 महीनों में ही इन्होंने करीब 67 हजार ईंट तैयार किए हैं, इनमें से 40 हजार ईंट पंचायत को विक्रय भी किया गया है। महिलाओं को इससे 1 लाख रूपए से अधिक की आमदनी हुई है। समूह की सचिव कल्याणी दुबे ने बताया कि महिलाएं वर्मी कंपोस्ट भी बना रही है और अब तक 1 लाख 30 हजार रूपए का खाद विक्रय कर चुकी है। उनका समूह सवा लाख रूपए का आंतरिक लेन-देन भी कर रहा है। कल्याणी बताती है कि प्रारंभिक प्रशिक्षण के बाद अब महिलाएं आसानी से ईंट बना पा रही हैं, महिलाओं को जिला प्रशासन द्वारा रीपा में आवश्यक मशीन व संसाधन उपलब्ध कराये गए हैं।

समूह की अध्यक्ष अहिल्या साहू ने बताया कि प्रति ईंट लगभग ढाई रुपए की दर से बेचते हैं। वहीं समूह से जुड़ी देवकी सोनी, दीपलता और उर्वशी दुबे ने कहा कि हमने सोचा नहीं था कि हम खुद मशीन का संचालन कर पाएंगे लेकिन अब ऐसा हो रहा है।

मंत्री मोहन मरकाम ने दी विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति विकास मंत्री मोहन मरकाम ने विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मंत्री मरकाम ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि आदिवासियों को उनका हक और सम्मान दिलाने, उनकी समस्याओं का निराकरण करने, भाषा, संस्कृति और इतिहास के संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 9 अगस्त 1994 को विश्व आदिवासी दिवस मनाने का निर्णय लिया। तब से दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ जनजाति बाहुल्य प्रदेश है। यहां की जनजातीय कला एवं संस्कृति अनमोल है। आदिवासी शब्द दो शब्दों-आदि और वासी से मिलकर बना है और इसका मूल अर्थ मूल निवासी होता है। आदिवासी समुदाय का जीवन जल, जंगल, जमीन से जुड़ा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में बीते ढाई सालों में समाज के सभी वर्गों के साथ आदिवासी समाज भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। आदिवासी समाज क्षेत्र शिक्षा, ज्ञान-विज्ञान, कला-संस्कृति सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से तरक्की कर रहा है। देश-प्रदेश के विकास में आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासियों की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। देवगुड़ियों और घोटुलों को सहेजने और संवारने का काम राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। साथ ही आदिवासी तीज-त्यौहारों के उत्साहपूर्वक आयोजन के लिए आदिवासी परब सम्मान निधि योजना शुरू की गई है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

पुष्पा 2 से फहद फासिल की पहली झलक जारी, दिखा धांसू अवतार

सुकुमार के निर्देशन में बनी पुष्पाः द राइज की आपार सफलता के बाद से ही प्रशंसक फिल्म की अगली किस्त पुष्पा 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह भारतीय सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अब निर्माताओं ने पुष्पा 2 से अभिनेता फहद फासिल का पहला लुक जारी कर दिया है, जिसमें वह धांसू अवतार में नजर आ रहे हैं। पुष्पा 2 में फासिल एसपी शेखावत की भूमिका को दोहराएंगे। पुष्पा में आखिरी सीन में फहाद और अल्लू अर्जुन (पुष्पा राज) को आमने-सामने देखा गया था। भंवर सिंह की आंखों में भड़क रही ज्वाला साफ दिख रही थी। उस समय तो वो कुछ नहीं कर पाया, लेकिन अब पुष्पा 2 में बदला लेने के लिए वो पूरी तरह तैयार हैं। पुष्पा में अपने हरियाणवी अंदाज से उन्होंने हर किसी को हैरान कर दिया था।

माइथ्री ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर पुष्पा 2 से फहद की पहली झलक साझा की है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, टीम पुष्पा 2: द रूल बेहद प्रतिभाशाली फहद फासिल को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती है। भंवर सिंह शेखावत सर प्रतिशोध के साथ बड़े पर्दे पर वापस आएंगे। खबरों की माने तो इस बार फहाद फासिल अल्लू अर्जुन को पहले से ज्यादा परेशान करते हुए नज़र आएंगे। वही फहाद के लुक और किरदार को पहले से ज्यादा बोल्ड बनाया जा रहा है जो काफी अग्रेशन में रहने वाला हैं।

ब्रालेट टॉप पहनकर केट शर्मा ने शेयर किया अब तक का सबसे बोल्ड अवतार

टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग लुक्स से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। एक्ट्रेस केट शर्मा हमेशा इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर कर हर बार इंटरनेट पर सनसनी मचा देती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में केट शर्मा ने अपने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनके सेक्सी मूव्स थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। केट शर्मा ने अपनी इन तस्वीरों में बेहद ही ग्लैमरस अदाएं दिखाते हुए फैंस को अपनी ओर रिझाना शुरू कर दिया है। व्हाइट कलर का ब्रालेट टॉप पहनकर साथ ही मिनिमल मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन फोटोज में केट शर्मा अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। उनकी या लुक फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। केट शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी हर एक पोस्ट का फैंस को भी बेसब्री से इंतजार रहता है।

त्वचा की देखभाल के लिए घर पर बनाएं नारियल तेल से फेस मास्क

हर किसी की ख्वाहिश होती है कि उसकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार रहे और इसके लिए त्वचा की देखभाल करना बहुत जरूरी है। इसके लिए नारियल तेल से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल किया जा सकता है। शोध में पाया गया है कि नारियल तेल से बने फेस मास्क त्वचा के लिए बेहतरीन तरीके से काम करते हैं। आइये आज घर पर नारियल तेल से फेस मास्क बनाने का तरीका और इसके इस्तेमाल से होने वाले फायदे बताते हैं।

नारियल तेल और शहद का फेस मास्क

फेस मास्क बनाने का तरीकाः- सबसे पहले कटोरी में एक चौथाई चम्मच कप शिया बटर और इसी मात्रा में नारियल तेल डालकर दोनों को पिघला लें। अब इसमें एक बड़ी चम्मच कच्चा शहद मिलाकर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को पूरे चेहरे पर लगाएं और कम-से-कम आधे घंटे के बाद पानी से धो लें।

फायदेः- इसमें एंटी-माइक्रोबिलय और एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया को मारते हैं और त्वचा को स्वस्थ रखते हैं। यह त्वचा को मॉइस्चराइज भी करता है।

नारियल का तेल और टी ट्री ऑयल का फेस मास्क

फेस मास्क बनाने का तरीकाः- सबसे पहले एक कटोरी में एक बड़ी चम्मच नारियल का तेल और टी ट्री ऑयल की 2-3 बूंदें डालकर अच्छे से मिला लें। आप इसे ज्यादा मात्रा में मिलाकर एक बोतल में भी भरकर रख सकते हैं और फिर रात में सोने से पहले इसे चेहरे पर लगाकर छोड़ दें।

फायदेः- इन दोनों सामग्रियों में एंटी-सेप्टिक और उपचार गुण होते हैं। इसे लगाने से अगले दिन आपको चमकदार त्वचा मिलती है।

नारियल का तेल और हल्दी का फेस मास्क

फेस मास्क बनाने का तरीकाः- सबसे पहले 3 बड़ी चम्मच नारियल तेल में आधी चम्मच हल्दी पाउडर, आधी चम्मच नींबू का रस और एक बड़ी चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद धो लें।

फायदेः- हल्दी में एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं, जो त्वचा के दाग-धब्बों से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं। इससे आपकी त्वचा चमकदार और साफ बनी रहती है।

नारियल तेल और बेकिंग सोडा का फेस मास्क

फेस मास्क बनाने का तरीकाः- सबसे पहले एक कटोरी में एक बड़ी चम्मच नारियल का तेल और एक चम्मच बेकिंग सोडा को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस फेस मास्क को अपने चेहरे पर लगाकर 10 मिनट तक उंगलियों से धीरे-धीरे मसाज करें।

फायदेः-यह फेस मास्क क्लींजर की तरह काम करता है। यह रोमछिद्रों से गंदगी और मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है और चेहरे को चमकदार बनाता है।

नारियल तेल और कॉफी का फेस मास्क

फेस मास्क बनाने का तरीकाः- सबसे पहले एक चम्मच नारियल का तेल और एक चम्मच कॉफी पाउडर को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसे अपने चेहरे पर लगाकर करीब 15 मिनट तक उंगलियों से गोलाकार गति में धीरे-धीरे मालिश करें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें।

फायदेः- ये दोनों सामग्री एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो आपकी त्वचा को हानिकारक मुक्त कणों से बचाते हैं। यह कोलेजन के उत्पादन को भी बढ़ाता है और त्वचा को चमकदार बनाता है।

सावधान! डिस्पोजेबल कप में पानी चाय या कॉफी पीना है खतरनाक

जानें डॉक्टर क्यों कर रहे अलर्ट

आजकल जमाना बदल गया है। अब स्टील या कांच की गिलास या बर्तन की जगह डिस्पोजेबल कप ने ले ली है। अब पानी, चाय, कॉफी या कोई भी ड्रिंक्स पीने में डिस्पोजेबल कप का ही इस्तेमाल हो रहा है। ऑफिस से लेकर बड़े रेस्टोरेंट तक इन्हीं कप का उपयोग हो रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि डिस्पोजेबल कप सेहत को प्रभावित कर सकती है। चलिए जानते हैं इससे होने वाले नुकसान और डॉक्टर की सलाह।

क्या कैंसर का कारण बन सकता है डिस्पोजेबल कप

डॉक्टरों का कहना है कि डिस्पोजेबल कप प्लास्टिक और केमिकल का इस्तेमाल कर बनाया जाता है। अगर लंबे समय तक इसका यूज कर रहे हैं तो ये कैंसर का कारण बन सकता है। डॉक्टरों ने बताया, डिस्पोजेबल कप में बिसफेनोल और बीपीए जैसे केमिकल पाए जाते हैं। जो काफी खतरनाक केमिकल हैं। जब इन कप में चाय या गर्म पानी पीते हैं तो इसमें मौजूद केमिकल इनमें घुल जाते हैं और ये केमिकल पेट तक पहुंच जाते हैं, जिससे कैंसर का जन्म हो सकता है।

थायराइड जैसी बीमारियां दे सकता है डिस्पोजेबल कप

डॉक्टर के मुताबिक, डिस्पोजेबल कप बनाने में केमिकल ही नहीं माइक्रोप्लास्टिक का इस्तेमाल भी होता है। जिससे थायराइड जैसी खतरनाक बीमारी हो सकती हैं। काफी लंबे समय तक इनके इस्तेमाल से कैंसर भी हो सकता है। शराब या स्मोकिंग करने वालों में डिस्पोजेबल कप के इस्तेमाल से कैंसर का खतरा काफी जल्दी हो सकता है। इसलिए डिस्बोजेबल कप के इस्तेमाल से हमेशा बचने की कोशिश करनी चाहिए।

डिस्पोजेबल कप का विकल्प

डॉक्टर बताते हैं कि चाय, कॉफी या पानी पीने के लिए प्लास्टिक या पेपर के इस्तेमाल से बचना चाहिए। इसकी जगह स्टील का बर्तन या कुल्हड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। कुल्हड में चाय पीने के कई फायदे भी होते हैं। इससे पेपर और प्लास्टिक का इस्तेमाल भी कम होता है। मिट्टी के कुल्हड़ में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। इसलिए डिस्पोजेबल कप की बजाय कुल्हड़ या स्टील के बर्तन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कीर्ति सुरेश बॉलीवुड में अपनी पारी शुरू करने को तैयार

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश दक्षिण भारतीय सिनेमा का जाना-माना नाम हैं। वह कई फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं। साउथ में अपना जलवा बिखेरने के बाद अब कीर्ति बॉलीवुड में अपना सिक्का जमाने को तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली हिंदी फिल्म साइन कर ली है और और खास बात यह है कि इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन नजर आने वाले हैं। आइए जानते हैं क्या कुछ जानकारी मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कीर्ति, वरुण के साथ बॉलीवुड में पदार्पण कर रही हैं। यह एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जिसका निर्देशन कलीस कर रहे हैं, जो तमिल सिनेमा में बेहद लोकप्रिय हैं। कीर्ति बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए एक अच्छे प्रोजेक्ट की राह देख रही थीं। अब यह तलाश उनकी आखिरकार इस फिल्म पर आकर खत्म हुई है। कीर्ति यह फिल्म साइन कर चुकी हैं। फिल्म के लिए दूसरी अभिनेत्री की तलाश जारी है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू होगी। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। निर्माताओं ने नवंबर तक शूट पूरा करने की योजना बनाई है और 31 मई, 2024 तक इसे दर्शकों के बीच लाने की तैयारी है। यह एक पैन इंडिया फिल्म होगी, जो एक साथ कई भाषाओं में रिलीज होगी। सूत्रों की मानें तो फिल्म की कहानी से लेकर, किरदार और एक्शन तक लाजवाब होगा।

फिल्म का निर्माण एटली कुमार के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले हो रहा है, वहीं मुराद खेतानी इसके सह-निर्माता हैं। वरुण फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ये थलापति विजय की हिट फिल्म थेरी का हिंदी रीमेक है। इसके निर्देशक एटली ही थे। एटली फिलहाल शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान पर लगे हुए हैं। इसका काम निपटाने के बाद वह नई फिल्म शुरू करेंगे। कीर्ति ने अपनी प्रतिभा के दम पर न केवल दक्षिण भारत, बल्कि देशभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वह इडु एन्ना मायम, महानती और सरकार जैसी साउथ की हिट फिल्मों में काम कर चुकी हैं। कीर्ति के माता-पिता भी फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं। कीर्ति ने साल 2000 में फिल्म पायलट्स से बतौर बाल कलाकार अपना करियर शुरू किया था।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

विश्व आदिवासी दिवस:सुविधा संसाधनों से समृद्ध होते जिले के अनुसूचित क्षेत्र

रायगढ़। रायगढ़ जिले में अनुसूचित जनजाति जनसंख्या बड़े पैमाने में निवास करती है। रायगढ़ जिले के 5 विकासखंड अनुसूचित ब्लॉक में शामिल है। राज्य शासन की योजनाओं के साथ प्रशासनिक प्रयासों से इन क्षेत्रों में आदिवासी संस्कृति के संरक्षण तथा उसे बढ़ावा देने, वन अधिकार पट्टा वितरण के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, जल और पर्यावरण संरक्षण व रोजगार संवर्धन के क्षेत्र में विशेष रूप से कार्य किया जा रहा है। 3 नई राजस्व इकाइयों के गठन से दूरस्थ क्षेत्रों तक प्रशासनिक पहुंच सुलभ हुई है। शासन-प्रशासन के इन प्रयासों से जिले के अनुसूचित क्षेत्र सुविधा और संसाधनों से समृद्ध हो रहे हैं। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में अनुसूचित क्षेत्रों में अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, बच्चों एवं महिलाओं के सुपोषण, केलो नदी के संरक्षण व तालाबों के माध्यम से प्राकृतिक जल के संचयन जैसे कदमों के साथ पर्यावरण संरक्षण व वृक्षारोपण के साथ करियर मार्गदर्शन के लिए मितान केंद्रों की स्थापना जैसे कार्य किए जा रहे है। जिसका लाभ यहां निवासरत लोगों को मिल रहा है। आदिवासी संस्कृति का प्रमुख अंग उनके नृत्य व संगीत होता है। उनके इस विशिष्ट संस्कृति को बचाये रखने के लिए गांवों की सांस्कृतिक दलों को आवश्यक सामग्री की व्यवस्था हेतु 10 हजार रुपये तक की राशि दी जाती है। पिछले चार वर्षों में 156 दलों को 15 लाख 60 हजार रुपये दिए गए। इसी प्रकार मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्र के ग्रामों में स्थानीय उत्सवों व त्यौहारों के साथ सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए 10 हजार रुपये की राशि दिए जाने का प्रावधान है। अनुसूचित क्षेत्रों के 377 ग्राम पंचायत को प्रथम किश्त के रूप में 18 लाख 85 हजार रुपये की राशि दी गई है। इसी प्रकार अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्रामों में पारा, मजरा, टोलों में देवस्थल के विकास हेतु राशि स्वीकृत की जाती है। इसके अंतर्गत अब तक 75 देवगुड़ी हेतु 85 लाख 50 हजार की राशि स्वीकृत की गई है।

शासन की योजना व नियमित कार्यों की विभाग करें सतत मॉनिटरिंग - कलेक्टर

सूरजपुर। सर्व विभागीय अधिकारी विभागों के नियमित कार्य व शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की करें सतत मॉनिटरिंग। उक्त निर्देश कलेक्टर संजय अग्रवाल द्वारा साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में उपस्थित अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों के सफल क्रियान्वयन के लिए अपने अधीनस्थों के बीच केवल कार्य का विभाजन करने से कार्य पूर्ण नहीं होता है, इसके लिए भौतिक परीक्षण के साथ-साथ समय-समय पर सतत मॉनिटरिंग आवश्यक है। इसलिए उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रगतिरत कार्यों की क्रॉस चेकिंग और मॉनिटरिंग समय-समय पर करते रहने की हिदायत दी। इसके साथ ही कलेक्टर ने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के संबंध में, अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों को लेकर भी चर्चा की। जिसमें उन्होंने सौंपे गये दायित्वों का समय पूर्व निर्वहन करने का निर्देश अधिकारियों को दिये ताकि स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम का संपादन बेहतर तरीके से हो सके। मतदान केंद्रों में निर्मित सभी रैम्प का स्लोप 10 डिग्री से ज्यादा ना हो, इस पर कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों का ध्यानाकर्षण किया। विधानसभा आम निर्वाचन 2023 की तैयारियों के संबंध में चर्चा करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि रैम्प दिव्यांग जनों के सुविधा के दृष्टिकोण से निर्मित कराया जाता है। इसलिए आवश्यक है कि उनकी व्हीलचेयर आसानी से उस रैंप पर चढ़ सके, रैम्प वैसा निर्मित होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी मतदान केंद्रों में शौचालय, पेयजल, बिजली आदि सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

बस्तर के युवराज का वर्ल्ड म्यू थाई चेम्पियनशिप तुर्की अंटालिया के लिए चयन

जगदलपुर। जो बस्तर कभी नक्सलीय प्रकोप के लिए जाना जाता था वो बस्तर अब खेल के दुनिया मे भी अपना दस्तक देना शुरु कर दिया है हम बात कर रहे है बस्तर के म्यू थाई बॉक्सर युवराज सिंह की । बस्तर के युवराज सिंह 29 सितंबर से 08 अक्टूबर 2023 तुर्की युथ वर्ल्ड चेम्पियनशिप मे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे । अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त संस्था की भारत मे मान्यता प्राप्त संस्था यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया के तत्वावधान में यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन तमिलनाडु द्वारा सीनियर, जूनियर, सब जूनियर वर्ग की राष्ट्रीय म्यू थाई चैंपियनशिप एवं प्रो नाईट फाइट का आयोजन 25 से 30 मई 2023 तक फ़िल्म सिटी रोड सन्तोष नगर, चेन्नई (तमिलनाडु) में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में बस्तर जिले से युवराज सिंह ने अंडर 15 केटैगरी , माईनस 80 द्वन्द्व मे खेलते हुए असम के खिलाड़ी भार्गव बोराह एवं महाराष्ट्र के खिलाड़ी साहिल भूषण खंडारे को हराकर गोल्ड मैडल अपने नाम कर पुनः यूथ वर्ल्ड म्यू थाई चेम्पियनशिप तुर्की के लिए क्वालिफाई किया।

अभी तक एक लाख 63 हजार से अधिक हितग्राहियों को वनाधिकार मान्यता पत्र वितरित

वनांचल के रहवासियों को मिला खेती-किसानी के लिए बड़े पैमाने पर वनाधिकार पट्टा

श्रीकंचपनथ न्यूज

जगदलपुर।प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप आदिम जाति और गैर परम्परागत वन निवासी अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन के फलस्वरूप बस्तर संभाग में वनांचल के रहवासियों को बड़े पैमाने पर वन भूमि का वनाधिकार मान्यता पत्र प्रदान किया गया है, जिससे इन वनाधिकार पट्टेधारकों को खेती-किसानी को बढ़ावा देने सहित अन्य आयमूलक गतिविधियों के जरिये आय संवृद्धि करने में सहायता मिली है।

बस्तर संभाग में वनाधिकार अधिनियम 2006 को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर कार्यान्वयन किये जाने के परिणामस्वरूप अभी तक एक लाख 63 हजार से अधिक हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनाधिकार मान्यता पत्र प्रदान किया गया है। वहीं सामुदायिक प्रयोजन के लिए साढ़े 22 हजार से ज्यादा सामुदायिक वनाधिकार पत्र तथा डेढ़ हजार से अधिक सामुदायिक वन संसाधन पत्र समुदाय को प्रदान किया गया है।

बस्तर संभाग कमिश्नर श्री श्याम धावड़े द्वारा समूचे बस्तर के सभी जिलों में वनाधिकार अधिनियम को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किये जाने के लिए जारी दिशा-निर्देश के तहत 01 लाख 63 हजार 488 हितग्राहियों को 01 लाख 73 हजार 788 हेक्टेयर रकबा का व्यक्तिगत वनाधिकार मान्यता पत्र प्रदान किया गया है। इसके साथ ही इन वनाधिकार पट्टेधारकों को किसान ऋण पुस्तिका वितरित किया गया है और खेती-किसानी के लिए आवश्यक खाद-बीज एवं अन्य आदान सहायता प्रदान करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड प्राथमिकता के साथ दिया जा रहा है। वहीं इन किसानों को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने के लिए सहकारी समितियों में किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। इन वनाधिकार पट्टेधारकों में से 76 हजार 26 हितग्राहियों को मनरेगा के तहत 636 करोड़ 36 लाख रूपए लागत के भूमि समतलीकरण, मेड़ बंधान, कुंआ निर्माण, डबरी एवं तालाब निर्माण, गौ-पालन, बकरी पालन, कुक्कुट पालन शेड निर्माण इत्यादि व्यक्तिमूलक कार्यों के लिए सहायता दी गई है।

जिससे उक्त सभी किसान उन्नत खेती-किसानी सहित साग-सब्जी उत्पादन, मछली पालन, कुक्कुट पालन आदि आयमूलक गतिविधियों के माध्यम से आय संवृद्धि कर रहे हैं। बस्तर संभाग में स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनबाड़ी केन्द्र भवन, ग्राम पंचायत भवन, खेल मैदान इत्यादि सामुदायिक प्रयोजन के लिए अब तक 22 हजार 521 से ज्यादा करीब 5 लाख 92 हजार हेक्टेयर रकबा का सामुदायिक वनाधिकार पत्र समुदाय को प्रदान किया गया है। जिसमें आदिवासी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में 3021 देवगुड़ी और मातागुड़ी तथा 228 घोटुल व 86 प्राचीन मृतक स्मारक सम्मिलित हैं। आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए सकारात्मक पहल कर सभी देवगुड़ी एवं मातागुड़ी सहित घोटुल व प्राचीन मृतक स्मारकों को राजस्व अभिलेख में दर्ज करने सहित लगभग डेढ़ हजार हेक्टेयर रकबा संरक्षित किया गया है। साथ ही देवी-देवता के नाम जमीन को संरक्षित कर जमीन पर अवैध कब्जा होने से बचाने और देव स्थल के समीप स्थित पेड़-पौधों को सुरक्षा प्रदान की गई है। जिससे उक्त आस्था और सांस्कृतिक धरोहरों के विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बस्तर संभाग में वनोपज संग्रहण, वनों के संरक्षण एवं समुचित दोहन और देखभाल की ओर समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में अब तक डेढ़ हजार से अधिक सामुदायिक वन संसाधन पत्र के माध्यम से 8 लाख 38 हजार 399 हेक्टेयर रकबा का अधिकार समुदाय को प्रदान किया गया है।

नीलू चुनी गई मेहंदी एक्सपर्ट, डांस मे लेरीना रही प्रथम

श्रीकंचपनथ न्यूज

दुर्ग। सिंधिया नगर बैनर तले नीलू महिला स्व सहायता समूह द्वारा सिंधिया नगर वार्ड नंबर 21 सावन मेले का आयोजन किया गया। जिसमे महिला समूह समिति की अध्यक्ष श्रीमती नीलू सिंह द्वारा हर वर्ष सावन मास में सावन मेला का भव्य आयोजन उमंग व उत्साह से मनाया गया।इस अवसर पर श्रीमती नीलू सिंह ने बताया कि यह सावन मेला का आयोजन कराया जाता है, जिसमें डांस, मेहंदी प्रतियोगिता, सोलह सिंगार प्रतियोगिता,खेलकूद के अलावा अन्य बहुत से आयोजन किये जाते हैं।जिसमे लड़कियां-महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं प्रतियोगिता में जितने वालो को पुरस्कार प्रदान किया जाता है और विभिन्न स्टाल भी लगाए जाते हैं जिसमे खाने-पीने के व्यंजन रखे जाते हैं।

हर वर्ष की भांति तीज मिलन समारोह का भी आयोजन नीलू सिंह द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि मेरा उद्देश्य है कि महिलाओं को अपने लिए भी थोड़ा समय निकाल के अपनी जिंदगी जीने का हक है और वह हमेशा इस तरह के कार्यक्रम करती रहती हैं जिसमे लड़कियां महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं।

सावन मेला का आयोजन नीलू सिंह द्वारा पटरी पार में हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी डांस मेहंदी कुर्सी दौड़ रैंप वॉक विभिन्न वेशभूषा प्रतियोगिता सोलह सिंगार प्रतियोगिता रखा गया था जिसमें एकल डांस में प्रथम लेरीना,सरला भारद्वाज द्वितीय लिसा कश्यप थर्ड मंजू पांडे रही।

भारतीय वेशभूषा प्रतियोगिता में प्रथम सैफ्फिया कुरैशी द्वितीय श्रावणी दास थर्ड रोजा,मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम नीलू सिंह, द्वितीय सरला भारद्वाज,तृतीया सैफ्फिया कुरैशी बैलून फोटो प्रतियोगिता में प्रथम रीना तिवारी द्वितीय सोमादास थर्ड डिलमा मजूमदार रैंप वॉक प्रतियोगिता पुष्पा खोबरागड़े सेकंड धनलक्ष्मी गुप्ता थर्ड शीतल सिंह सोलह सिंगार प्रतियोगिता फर्स्ट सरला भारद्वाज सेकंड,सैफ्फिया कुरैशी थर्ड ज्योतिराव। सभी विजेताओं को पुरस्कार दिया गया।

असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस ने विश्व आदिवासी दिवस में किया वृक्षारोपण

श्रीकंचपनथ न्यूज

भिलाई। वार्ड 18 कॉन्टैक्टर कॉलोनी में असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस ने विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष में वृक्षारोपण का कार्यक्रम कर पर्यावरण को संरक्षित करने का काम किया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बजरंगी लाल सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, एमआईसी मेंबर संदीप निरंकारी, एमआईसी मेंबर लालचंद वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। मुकेश चंद्राकर ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने प्रदूषण को रोकने प्रत्येक व्यक्ति को वृक्ष लगाने का काम करना है।

संदीप निरंकारी एवं लालचंद वर्मा ने भी वृक्षारोपण के कार्य सराहा और भविष्य में भी इसी प्रकार रचनात्मक कार्य करें करने की बात असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के साथियों से कही वही मुख्य रूप से छाया पार्षद विनोद यादव, हीरालाल साहू, खिलेश्वर, ब्लॉक अध्यक्ष- अकबर भाई,अनुराग तिवारी, जिला उपाध्यक्ष- रिकी साहू, महामंत्री - नितेश लाउत्रे, महासचिव-सुधांशु शेखर, देव कुमार शर्मा, कमल कुमार, सचिव- लखपति सोना,राजेश्वर सोनवानी, परमेश्वर साहू, अर्जुन यादव, रवि तेजा ,अभय नंदोरी, एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेशवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की दी शुभकामनाएं

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को विशेषकर आदिवासी समाज के लोगों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। विश्व आदिवासी दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि आदिवासी जनजातियों की सुरक्षा और उनके अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए पूरी दुनिया में 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है।

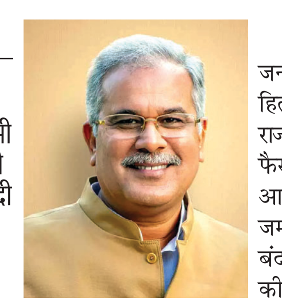

जनजाति बाहुल्य प्रदेश होने के कारण छत्तीसगढ़ को जनजातियों की प्राचीन कला और संस्कृति की अनमोल धरोहर विरासत में मिली है। छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासियों की प्राचीनतम विरासत और संस्कृति को सहेजते हुए उनके विकास और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रकृति के करीब जीवन जीने वाली यहां की आदिवासी आबादी को सभी आवश्यक नागरिक सुविधाएं और आगे बढ़ने के सभी साधन सुलभ कराने का हर संभव प्रयास राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है।

श्री बघेल ने कहा कि जनजातियों के विकास और हित को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने कई अहम फैसले लिये हैं। लोहंडीगुड़ा में आदिवासियों की 4200 एकड़ जमीन की वापसी, जेलों में बंद आदिवासियों के मामलों की समीक्षा के लिए समिति का गठन, जिला खनिज न्यास की राशि से आदिवासियों के जीवन स्तर में सुधार का निर्णय, बस्तर और सरगुजा में कर्मचारी चयन बोर्ड की स्थापना और यहां आदिवासी विकास प्राधिकरणों में स्थानीय अध्यक्ष की नियुक्ति से आदिवासी समाज के लिए बेहतर काम करने की कोशिशें जारी हैं। उन्होंने कहा है कि आदिवासी समाज की जरूरतों और अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई योजनाओं से उनका जीवन अधिक सरल हो सका है। तेंदूपत्ता संग्रहण दर को 2500 से बढ़ाकर 4 हजार रूपए प्रति मानक बोरा करने, 67 तरह के लघु वनोपजों के समर्थन मूल्य पर संग्रहण और विक्रय के साथ ही इनका स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण और वैल्यू एडिशन से हजारों आदिवासियों की आय में बढ़ोत्तरी हुई है। राज्य सरकार ने वन अधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन पर अधिकार को मजबूत किया है। वन अधिकार पट्टों के मिलने से हजारों आदिवासियों की आवास और आजीविका की चिंता दूर हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों की सांस्कृतिक विरासत को नया आयाम देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार लगातार प्रयास कर रही है। आदिवासी संस्कृति का परिचय देश-दुनिया से कराने के लिए प्रदेश में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव जैसे आयोजनों की शुरूआत की गई है। विश्व आदिवासी दिवस पर सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। देवगुड़ियों और घोटुलों के संरक्षण और संवर्धन से आदिम जीवन मूल्यों को सहेजने और संवारने का काम राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। विगत साढ़े चार वर्षों में देवगुड़ी ठाकुरदेव एवं सांस्कृतिक केंद्र, घोटुल निर्माण, मरम्मत योजना के तहत दी जाने वाली राशि में उल्लेखनीय रूप से पांच गुना वृद्धि की गई है। साथ ही आदिवासी तीज-त्यौहारों के उत्साहपूर्ण आयोजन के लिए आदिवासी परब सम्मान निधि योजना शुरू की गई है। आदिवासी पर्वों के गरिमामय आयोजन के लिए ग्राम पंचायतों को 10 हजार रूपए की अनुदान सहायता दी जा रही है।

मर्चेन्ट एवं वायर रॉड मिल विभाग के कर्मचारियों को शिरोमणि पुरस्कार

श्रीकंचपनथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के मिल जोन-1 के अन्तर्गत मर्चेन्ट एवं वायर रॉड मिल विभाग में विगत दिनों पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्मिकों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ कार्यक्षेत्र में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग एवं उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए कर्मचारियों को प्रेरित करने तथा उन्हें पहचान देने के लिए कर्मठ कर्मचारियों को सम्मानित किया जाता है।

इस योजना के तहत कर्म शिरोमणि पुरस्कार से उन कार्मिकों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने उस माह में बेहतरीन कार्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। कार्यक्रम में सहायक महाप्रबंधक मनीष कुमार एवं वरिष्ठ प्रबंधक डी अजीत कुमार को अप्रैल से जून 2023 तिमाही के लिए पाली शिरोमणि पुरस्कार से नवाजा गया।

इसी क्रम में माह अप्रैल 2023 के लिए चार्जमेन कम मास्टर तक्नीषियन भागीरथी मेहूरिया, मास्टर तकनीशियन नकुल प्रसाद सोनी, माह मई 2023 के लिए चार्जमेन कम मास्टर तक्नीषियन गजेन्द्र कुमार शांडिल्य, मास्टर तकनीशियन सुदर्षन प्रसाद साहू एवं माह जून 2023 के लिए मास्टर ऑपरेटर महेष कुमार सोनवानी, मास्टर ऑपरेटर अजय कुमार को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक मुनीश कुमार गोयल ने अपने उद्बोधन में कार्य के दौरान सभी सुरक्षा उपकरणो का उपयोग करने व संसाधनों का उच्चतम उपयोग करते हुए बेहतर प्रतिफल प्राप्त करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में सभी अनुभाग प्रमुख महाप्रबंधक जेवियर बेक, महाप्रबंधक एस के हरिरमानी, महाप्रबंधक अनुपमा कुमारी, महाप्रबंधक मोहिब्बुल हुसैन, महाप्रबंधक पी एस कोरेटी, महाप्रबंधक एस के नायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्रबंधक श्रीमती समायला अंसारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय का भी योगदान रहा।

विकास योजनाओं में काम करने की प्राथमिकता - पैकरा

कोरबा। नगर पालिका परिषद दीपका के नवपदस्थ सीएमओ लोकेश पैकरा ने कहा है कि सरकार के द्वारा संचालित विकास से जुड़ी योजनाओं के अंतर्गत काम करना उनकी प्राथमिकता होगी। निकाय क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने का काम किया जाएगा। संबंधित समस्याओं का समाधान यथासंभव किया जाएए इस दिशा में कोशिश होगी। लोक सेवा आयोग की 2019 में आयोजित परीक्षा में सफल हुए पैकरा नगर पालिका अधिकारी के रूप में चयनित हुए। इससे पहले वे पलारी नगर पंचायत में पदस्थ थे। पहली बार नगर पालिका में उन्हें काम करने का अवसर मिला है। शासन के द्वारा हाल में ही किये गए बदलाव के अंतर्गत पैकरा को दीपका नगर पालिका परिषद पदस्थ किया गया। उन्होंने नवीन स्थान पर कामकाज ग्रहण करने के साथ इलाके का जायजा लिया।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

नशेड़ी ने पीट-पीटकर पिता को मार डाला, शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने से था नाराज, मां ने भागकर बचाई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में हत्या का खौफनाक मामला सामने आया है। शराब के लिए रुपए नहीं देने पर नशेड़ी बेटे ने पहले मां की पिटाई की। मां ने भागकर अपनी जान बचाई इस बीच पिता हाथ आ गया। नशेड़ी बेटे ने पिता को सड़क पर खींचकर बुरी तरह से पीटा जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने चंद घंटों में ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार जबला गांव निवासी प्रार्थिया कलावती चौहान (50) ने थाना तपकरा पहुंचकर इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। अपनी शिकायत में उसने बताया कि उसके बेटे जगमोहन चैहान (28) शराब पीने का आदि है। हमेशा शराब के नशे में रहता है, शराब पीने के लिये पैसा की मांग करता है, पैसा नहीं देने पर अपने माता-पिता को मारपीट करता है। सोमवार को भी जगमोहन चौहान शराब पीने के लिए रुपए मांग रहा था। इसके लिए वह अपनी मां से बैंक का पासबुक मांग रहा था।

पासबुक नहीं देने पर अपनी मां से मारपीट करने लगा। किसी तरह से मां वहां से भाग गई। मां के चले जाने के बाद जगमोहन चौहान घर में मौजूद अपने पिता चंद्रपाल चौहान (54) की पिटाई करने लगा। नशेड़ी जगमोहन अपने पिता को पीटते हुए सड़क पर ले गया। पिटाई के कारण चंद्रपाल चौहान की मौत हो गई। इसके बाद जगमोहन वहां से भाग गया। कलावती की शिकायत पर पुलिस ने धारा 323, 302 के तहत अपराध दर्ज आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

नशेड़ी बेटे के डर से घर पर नहीं रहते थे माता-पिता

पुलिस के अनुसार प्रार्थिया कलावती ने बताया कि नशेड़ी बेटे के डर से वे अपने घर पर नहीं रहते थे। बेटी के घर रहने चले जाते थे। कभी कभी वे अपने गांव अपने घर आते तो उनका बेटा उनसे रुपए की मांग करता और नहीं देने पर मारपीट करता था। प्रार्थिया ने यह भी बताया कि उसका पति चंद्रपाल सप्ताह भर पहले ही जबला आया था। बहरहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक हर्षवर्धन चौरासे, एएसआई जयनंदन मार्बल, आरक्षक राजकुमार यादव, मुकेश पैंकरा सहित अन्य स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

नकली किन्नर बन 5 महिलाएं कर रही थीं वसूली, गिरफ्तार

पैसे नहीं देने पर आंख में डाल देते थे मिर्च पाउडर, फिर करते थे मारपीट

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने पांच महिलाओं को गिरफ्तार किया है जो नकली किन्नर बनकर लोगों से जबरन पैसा वसूलने का काम कर रही थीं। किन्नर समुदाय के लोगों ने महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक से इसकी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस एक्टिव हुई और नकली किन्नरों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा।

किन्नर समाज की अध्यक्ष जया बाई ने बताया कि नकली किन्नर बनकर महिलाएं उनकी कौम को बदनाम कर रही थीं। इसलिए वो लोग राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई में गई थीं। वहां उन्होंने आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक से मामले की शिकायत की। उन्होंने उन्हें बताया कि गौरिया देवरनिन महिलाए शहर में नकली किन्नर बनकर घरों में घुसकर जबरदस्ती पैसे मांग रही थीं।

पैसे नहीं देने पर वे लोगों की आंखों मिर्च पाउडर डाल देते हैं, उनके साथ मारपीट और लड़ाई झगड़ा करते हैं। शिकायत को महिला आयोग ने काफी गंभीरता से लिया। उन्होंने दुर्ग कोतवाली पुलिस को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा। इसके बाद दुर्ग कोतवाली पुलिस एक्टिव हुई और 5 नकली किन्नरों को पकड़ा।

असली किन्नरों ने पुलिस को बताया कि 5 नकली महिलाए जिला अस्पताल के पास लोगों से जबरन पैसा वसूली कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। तब तक असली किन्नरों ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले किया। पुलिस सभी को थाने लेकर आई और उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

लोगों से जबरन वसूलती थी पैसा

सिटी कोतवाली के उपनिरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव ने बताया कि आज उन्हें सूचना मिली थी कि असली किन्नरों ने कुछ नकली किन्नरों को पकड़ा है। पुलिस की टीम वहां पहुंची। पुलिस ने मोहनी गौरिया, सुमन गौरिया, जलकी गौरिया, सलुज गौरिया और करिश्मा गौरिया को गिरफ्तार किया। इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

सड़क हादसे में पिता की मौत, 2 बेटियां घायल

सड़क पर अचानक टूटकर गिरा हाईटेंशन तार, बाइक अनियंत्रित हो दीवार से टकराकर नाले में गिरी

सरगुजा (ए)। सरगुजा जिले के गांधीनगर थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में पिता की मौत हो गई, वहीं उसकी 2 बेटियां घायल हो गई। अचानक सड़क पर हाईटेंशन तार टूटकर गिर जाने के कारण बाइक सवार व्यक्ति गाड़ी को संभाल नहीं सका और दीवार से टकराकर नाली में जा गिरा। फिलहाल पुलिस हादसे की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर थाना क्षेत्र के डिगमा का रहने वाला आनंद चेरवा (35 वर्ष) मंगलवार को अपनी 2 और 5 साल की बेटियों को लेकर बनारस रोड की ओर आया था। यहां से वापस लौटने के दौरान कमोदा विहार मार्ग पर प्रिंसेज कॉटेज से 100 मीटर की दूरी पर अचानक बिजली का हाईटेंशन तार टूटकर सड़क पर आ गिरा। इससे हड़बड़ाए युवक ने बाइक पर से अपना नियंत्रण खो दिया।तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे दीवार से टकराकर नाली में जा गिरी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के बाद काफी देर तक टूटी हुई बिजली की तार से चिंगारी निकलती रही। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल चला रहे आनंद समेत उसकी दोनों बेटियां घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की सूचना पर तत्काल मौके पर डायल 112 वाहन पहुंचा और तीनों घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां इलाज के दौरान पिता आनंद चेरवा की मौत हो गई। वहीं उसकी 2 साल की छोटी बेटी की स्थिति गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। 5 साल की बड़ी बेटी को मामूली चोट लगी है, जिसका प्राथमिक इलाज किया गया है।

गांधीनगर थाना पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने कहा कि गनीमत ये रही कि बच्चियां हाईटेंशन तार के संपर्क में नहीं आई, इसकी वजह से उनकी जान बच गई।

सनकी आशिक ने युवती पर पेट्रोल छिड़ककर लगाई आग, इलाज के दौरान मौत, 18 दिन से थी अस्पताल में भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधनी रायपुर में एक युवती एक तरफा प्यार की भेंट चढ़ गई। सनकी आशिक ने ऑफिस में घुसकर युवती पर पेट्रोल छिड़का और आग लगा दिया। हादसे में लगभग 70 फीसदी झुलसी युवती को डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां 18 दिन बाद युवती की मौत हो गई। जिस समय युवक युवती को जलाया उस दौरान युवक ने भी खुद को जलाकर आत्महत्या करना चाहा और वह भी लगभग 30 फीसदी झुलस गया। उसका इलाज चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना खमतराई थाना क्षेत्र का है। घटना 20 जुलाई की बताई जा रही है। पीड़िता ट्रांसपोर्ट नगर में एक निजी सिक्योरिटी एजेंसी के ऑफिस में एकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थी। 21 वर्षीय युवती से जीवन लाल दुबे नाम का युवक एक तरफा प्यार करता था। जीवन उसका पुराना दोस्त है और उसके प्रपोज करने पर युवती ने मना कर दिया था। इसके बाद भी वह लगातार शादी के लिए दबाव बना रहा था।

घटना वले दिन जीवन पीडिता के ऑफिस पहुंचा और शादी के लिए दबाव बनाने लगा। युवती नहीं मानी तो पेट्रोल छिड़कर आग लगा दिया। इसके बाद खुद को भी झुलसा लिया। हादसे में युवती 70 फीसदी तक झुलस गई थी वहीं शनकी प्रेमी भी 30 फीसदी तक जल गया था। आनन फानन में युवती को डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। बीते 18 दिनों ने युवती का इलाज चल रहा था। मंगलवार को युवती की मौत हो गई। अब इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

देशी कट्टा तानकर बदमाश दिखा रहा था दबंगई वीडियो भी बनाया, अब पुलिस की गिरफ्त में पहुंचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के महादेव घाट के पास का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बदमाश देशी कट्टा तानकर दबंगई दिखा रहा है। युवक को गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दे रहा था। वह कह रहा था 'गोली मार दूंगा, बदमाशी करते पूरा बचपन गुजर गया, दम है तो थाने में कॉल कर'। मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर उसकी सारी हेकड़ी निकाल दी।

मामला डीडी नगर थाने क्षेत्र का है। बताया जाता है कि बदमाश ने धमकी का ये वीडियो अपने दोस्त से बनवाया था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने आरोपी के ऊपर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इस दौरान पुलिस की खोजबीन में आरोपी प्रथम दुबे उर्फ ओम भांचा पकड़ा गया। उसके बैग की जांच करने पर कट्टा और गांजा मिला। डीडी नगर पुलिस ने थाना सरस्वती नगर रायपुर निवासी आरोपी प्रथम दुबे उर्फ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 नग कट्टा और 2 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट और नारकोटिक एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज किया गया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड राजेन्द्र पार्क चौक, दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष क्र. 0778-2323633 E-mail.eedurg-phe-cg@nic.in

ई- प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
(द्वितीय आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत 'सी एवं उच्च' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'ए' में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के विकासखंड धमधा के निम्नलिखित ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत मल्टी विलेज योजनांतर्गत विभिन्न कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	नि.सू.क्र/दिनांक	सिस्टम क्र.	विकासखंड	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1.	11/07.08.2023	143886	धमधा	रौता, परसदाखुर्द, खिलौराखुर्द	181.22

नोटः- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 14.08.2023 से देखे जा सकते हैं तथा बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 02.09.2023 है.

जी-04093/6

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड दुर्ग (छ.ग.)

खास-खबर

हाई कोर्ट का आदेशः तत्कालीन डीईओ हीराधर के खिलाफ 6 हफ्ते में जांच पूरी कर कोर्ट में सौंपे रिपोर्ट

बिलासपुर (ए)। हाई कोर्ट ने बिलासपुर के तत्कालीन डीईओ और संयुक्त संचालक शिक्षा के खिलाफ आय से अधिक मामले में की गई शिकायत के मामले में 6 सप्ताह में जांच पूरी कर कोर्ट में रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए हैं। तत्कालीन जिला शिक्षाधिकारी और संयुक्त संचालक रह चुके आरएन हीराधर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एसीबी से शिकायत की गई थी। मामले में वर्ष 2021 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(बी), 13 (2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। इसके बाद से मामले में कार्रवाई नहीं की गई। इस पर बिलासपुर के रजनीश साहू ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी। इसमें मामले में जल्द जांच पूरी कर कोर्ट में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में बताया गया कि इस संबंध में संबंधित विभाग में कई बार आवेदन देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिका पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस एनके चंद्रवंशी की बेंच में सुनवाई हुई। हाई कोर्ट ने एसीबी के एसपी/एसएसपी को मामले में 6 सप्ताह के भीतर जांच पूरी कर सीआरपीसी की धारा 173(2) के तहत संबंधित कोर्ट में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं।

हीराधर के खिलाफ वर्ष 2021 में एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत की गई थी। पुख्ता दस्तावेजों के साथ की गई शिकायत में बताया गया था कि विजयापुरम कॉलोनी में आलीशान मकान व प्लॉट, मोपका व चांटीडीह में करोड़ों की जमीन, कांकेर जिले में कृषि भूमि, खुद के नाम पर कई खाते व कई जगह एफडी व कई महंगी गाड़ियां हैं। साथ ही खुद, बेटे और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर करोड़ों की संपत्ति होने का दावा किया गया था। मामले में केस दर्ज करने के बाद आगे कार्रवाई नहीं करने पर याचिका लगाई गई थी।

ट्रेलर की चपेट में आने से बाल-बाल बची महिला

गेवरा-दीपका। दीपका गौरव पथ पर भारी वाहनों की आवाजाही से क्षेत्र के लोगों की नाराजगी बढ़ गई, जब इस मार्ग पर सड़क पार करते समय एक महिला भारी वाहन की चपेट में आने से बाल-बाल बच गई।

दीपका गौरव पथ पर भारी वाहनों के दबाव की वजह से भी आए दिन जाम लग रहा है। मंगलवार की शाम लगभग 7 बजे एमडी कॉलोनी दीपका निवासी कुसुम सोनी दीपका गौरव पथ पर सड़क पार करते समय ट्रेलर की चपेट में आने से बच गई। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने कोल परिवहन में लगे भारी वाहनों को रोक दिया। सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। दीपका थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। लोगों को समझाइश दी। दीपका गौरव पथ से भारी वाहनों की आवाजाही पर नाराजगी जताई। आधे घंटे बाद सड़क से लोग हटे व वाहनों की आवाजाही शुरू हो पाई।

कार ने बाइक को मारी टक्कर युवक गंभीर

कोरबा। शहर के गौमाता चौक के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार युवक सड़क पर फेंकाकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सिटी कोतवाली अंतर्गत इमलीडुग्गू गौमाता चौक के पास मंगलवार की दोपहर हादसा हुआ, जहां बाइक को तेज रफ्तार कार के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मार दी। घटना में बाइक समेत चालक सड़क पर फेंका गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दूसरी ओर दुर्घटनाकारित कार चालक मौके से वाहन लेकर भाग निकला।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

अधिकारों व सतत् आजीविका के अवसरों से आदिवासी सशक्तीकरण में अग्रणी छत्तीसगढ़

ऐतिहासिक निर्णय

101 लाख एकड़ वनभूमि पर **5 लाख** व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वनाधिकार पट्टों का वितरण

4,200 एकड़ अधिग्रहित कृषि भूमि आदिवासी किसानों को वापस

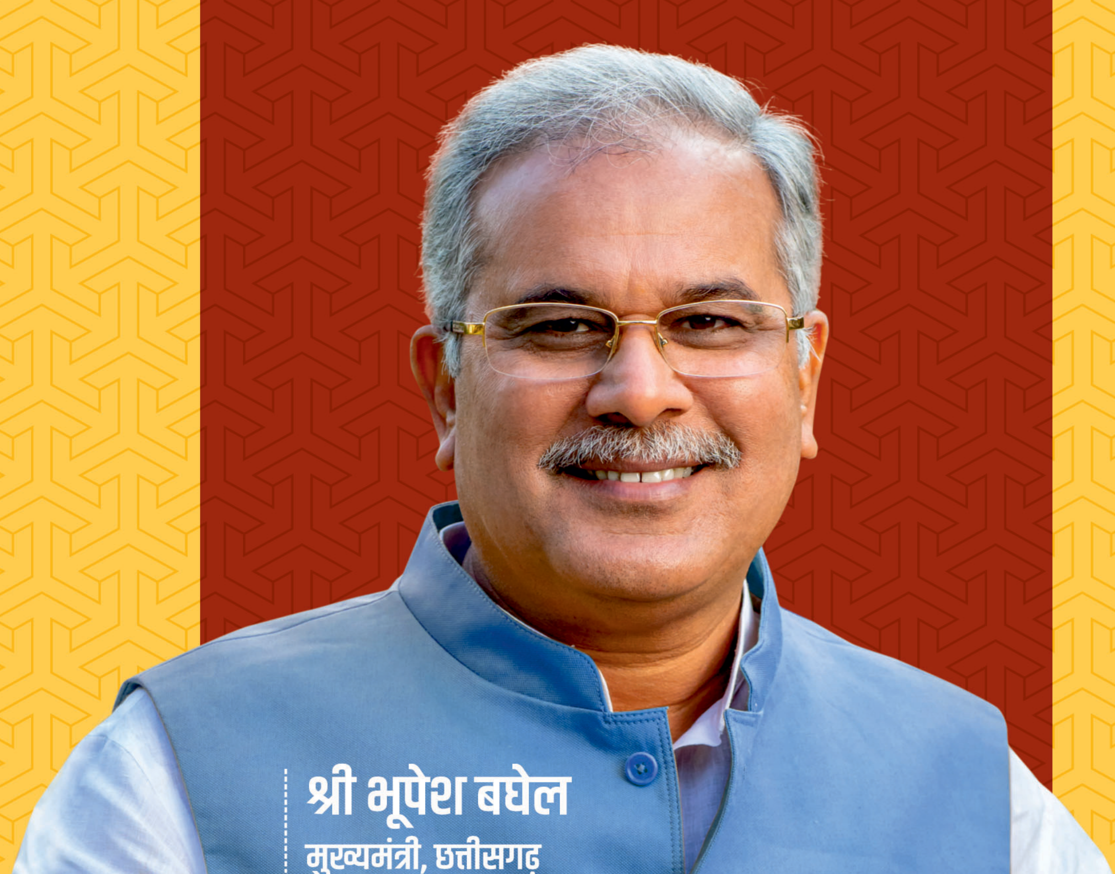

वनाश्रितों की आजीविका सुनिश्चित

- तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक बढ़ाकर **4,000 रुपये** प्रति मानक बोरा
- सरकार द्वारा **67 लघु वनोपजों** की समर्थन मूल्य पर खरीदी

बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर

- बस्तर क्षेत्र में नक्सल हिंसा की वजह से बंद हुए 314 स्कूल पुन: संचालित
- आदिवासी क्षेत्रों में **स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों** से सुदृढ़ हो रही शिक्षा

दुर्गम क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

- मोबाइल क्लीनिकों द्वारा **1.16 करोड़ लोगों** का नि:शुल्क उपचार
- पोषित भोजन से **4.5 लाख बच्चों और महिलाओं** ने दी कुपोषण को मात

आदिवासी अधिकारों की रक्षा

- समीक्षा कमेटी की अनुशंसा के बाद **1,357 आदिवासी** रिहा, **778** के खिलाफ दर्ज प्रकरण वापस
- पेसा कानून के नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन से अनुसूचित क्षेत्रों में जल-जंगल-जमीन के फैसलों में ग्राम सभाओं के अधिकारों को मिली मजबूती

RO-38004/50

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950